राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 10
किरीगी का कहर
एक आकर्षक स्टीकर मुफ्त
सुपर कमांडो ध्रुव

किरीगी का कहर

कथा एवं चित्र: अनुपम सिन्हा

संपादन: मनीष चंद्र गुप्त

लेकिन अपराध के कई रूप होते हैं, और अपराध करने के कई कारण।
और उनमें से एक कारण, राजनगर की सीमा से लगे घने जंगलों में स्थित इस प्राचीन कुटी के अंदर है।
जिस कुटी में हजारों वर्ष पहले ऋषि-मुनि ज्ञान की खोज किया करते थे। और उस ज्ञान को काष्ठपत्रों पर दर्ज किया करते थे।
आज शायद कोई इन ही काष्ठपत्रों की तलाश में यहां पर आया है।
प्राचीन काष्ठ-पत्र!
कहीं ये काष्ठपत्र, पुराणों का वही खोया हिस्सा तो नहीं है, जिसकी मुझे तलाश है?
देखूं, इस पर क्या लिखा है?
रक्षजाति एवं देवजाति के मध्य युद्ध और घमासान हो रहा था। परंतु देवों का पलड़ा धीरे-धीरे भारी होता जा रहा था। रक्षों अर्थात राक्षसों की मायावी शक्ति कम हो रही थी। उनको मायावी शक्तियां पुनः प्राप्त करने के लिए शक्ति के स्रोत लाल हीरे की आवश्यकता थी। जो पूर्वांचल के सम्राट सां-सुक के पास था।
रक्षों से हमले का खतरा बढ़ जाने पर सां-सुक ने उस शक्तिपुंज लाल हीरे को देवों के हाथ में सौंप देने का निर्णय लिया।
यह कहानी तो मैं खुद भी जानता हूं!
देखूं, कि इसमें आगे काम की बात लिखी है या नहीं!
देवों ने लाल हीरे को पूर्वी हिमालय पर स्थित कलिंपा मठ में स्थापित कर दिया, और अमर योद्धा निंजा किरीगी को उसका रक्षक नियुक्त कर दिया। फिर देवों ने मठ को उस महाऊर्जा से ढंक दिया, जो केवल राक्षसों के लिए ही घातक थी।
कुछ रक्षों ने मठ में घुसने का प्रयत्न भी किया, परंतु महाऊर्जा के कवच ने उनको जलाकर भस्म कर दिया। राक्षसों के पास अब मायावी शक्तियां प्राप्त करने का—
बस! मेरा काम हो गया!
मेरी सैकड़ों वर्षों की तलाश पूरी हुई!
मुझे उस शक्ति-स्रोत का पता चल गया है, जो रक्षजाति को एक बार फिर ब्रह्मांड पर राज्य कराएगा!
राक्षसराज चंडकाल की जय!
हा हा हाहाहाहाहा!

राजनगर में - माफिया बॉसों ने एक आपातकालीन बैठक बुलाई थी।
सुपर कमांडो ध्रुव! इस शैतान ने तो हमको दाने-दाने के लिए मोहताज कर दिया है!
हमारे धंधे बंद हो गए! हमारे लगभग सारे आदमी जेल में सड़ रहे हैं।
और उसको खत्म करने के हमारे सभी प्रयास बेकार भी हो चुके हैं, फरारी!
अब आखिर ध्रुव को रास्ते से कैसे हटाया जाए?
उसको मैं तुम लोगों के रास्ते से हटा दूंगा!
य-यह क्या हो रहा है?
कौन बोल रहा है?
मैं बोल रहा हूं, माफिया सरदारो!
मांत्रिकों का सरदार, तांत्रिक चंडकाल!
और सभी जादुई शक्तियों का स्वामी भी!
चंडकाल? त-तांत्रिक?
जादू? हा हा हा हा हा!
ऐसे जादूगरों के 'स्टेज शो' मैंने बहुत देखे हैं!
इस हाथ की सफाई दिखाने वाले से ध्रुव तो क्या, एक मच्छर भी नहीं मरेगा! हा हा हा हा!
मैं जादूगर नहीं तांत्रिक हूं, मूर्ख!
और अपने तंत्र का पहला चमत्कार मैं तुमपर ही दिखाऊंगा।
चंडकाल ने अपने मंत्रदण्ड को उठाया।
हा हा हा हा
और अगले ही पल- हवा में घूमती एक गोल आरी उभर आई।

और हंसने वाले माफिया बॉस के पैरों से आकर सट गई।
आ आ ा ा ई
खच खच
फिर हाथों से।
एक-एक करके माफिया बॉस के अंग, धड़ से जुदा होने लगे।
ई या आ आ ई ई
और कमरे में गूंजती चीखों का शोर बढ़ता गया।
जो माफिया बॉस की गर्दन कटने के साथ ही शांत हुआ।
वाह, चंडकाल, वाह! तुमने तो तबियत खुश कर दी मेरी!
बहुत दिनों बाद इतनी भयानक मौत देखने को मिली। .... ध्रुव तुम्हारे सामने कभी टिक नहीं पाएगा।
पर ध्रुव मुझे जिंदा चाहिए।...
थप थप
...ताकि मैं अपने हाथों से उसकी बोटी-बोटी अलग कर सकूं। लेकिन उसके बदले में तुम हमसे क्या चाहते हो?
एक ऐसी चीज, जो मेरे लिए बहुमूल्य है!
पर मैं पहले तुम्हारा काम करूंगा, और फिर अपनी फीस लूंगा।
बताओ, ध्रुव मुझे कहां पर मिलेगा?

ध्रुव हर रात को, राजनगर की सड़कों पर गश्त लगाता है।
आज क्या बात है?
चारों तरफ एक अजीब सा सन्नाटा छाया हुआ है। हवा तक एकदम खामोश है।
पूरे वातावरण में एक शैतानियत सी घुली लग रही है।
यह कुत्ता भी रो रहा है।
इसी से पूछता हूं।
क्या बात है, दोस्त?
तुम इतना डरे हुए क्यों लग रहे हो?
तांत्रिक चंडकाल के सामने सिर झुका, बालक!
चंडकाल? कौन हो तुम? क्या चाहते हो तुम?
क्या तुमको मेरी मदद की जरूरत है?
तुमको, ध्रुव!
मदद? हाहाहाहा! चंडकाल को तेरी मदद? नहीं, मूर्ख!
लेकिन फरारी को तेरी जान चाहिए। और वह मैंने उस तक पहुंचाने का वादा किया है!
फरारी! माफिया बॉस!
तो तुम फरारी के आदमी हो!
ऐसे नाटक मैंने बहुत देखे हैं, चंडकाल! और कई तांत्रिकों को सलाखों के पीछे पहुंचाया है।
इससे पहले कि मेरा गुस्सा बढ़ जाए, तुम यहां से वापस धुआं बनकर फूट लो।
अगर फरारी ने तुझे जिंदा उस तक पहुंचाने को न कहा होता,
...तो मैं अभी तेरी आत्मा निकालकर उसे अपना गुलाम बना लेता!

पर, अफसोस, कि मैं ऐसा नहीं कर सकता।
चंडकाल के मंत्रदण्ड से एक लपट सी निकली –
और ध्रुव ने अपने आपको एक आग के पिंजरे में कैद पाया।
हाहाहाहा! अब मैं तुझे इसी पिंजरे में फरारी तक ले जाऊंगा!
अरे! यह क्या हो रहा है? मेरी आंखें जरूर धोखा खा रही हैं।
यह किसी प्रकार का दृष्टि-भ्रम है।
आऊ! यह आग तो असली है। यानि यह चंडकाल सचमुच कोई तांत्रिक है क्या?
मैं गोली-बारूद से तो निपट सकता हूं! पर 'तंत्र-मंत्र' से टक्कर कैसे ली जा सकती है?
मिल गया जवाब! चंडकाल अपने तांत्रिक वार मंत्रदण्ड के जरिए कर रहा है!
यानि अगर यह दण्ड नष्ट कर दिया जाए, तो यह पिंजरा भी गायब हो जाना चाहिए।
और यह काम करने के लिए मेरा एक दोस्त यहां पर मौजूद है।
अगले क्षण- ध्रुव के गले से एक घुरघुराहट उभरी–
और भयभीत कुत्ता अपना सारा भय भूलकर चंडकाल के हाथ पर झपट पड़ा–
अरे! अरे!! आईईई!
इस अचानक हुई घटना से चकित होकर चंडकाल के हाथ से मंत्रदण्ड छूटकर नीचे जा गिरा।

और मंत्रदण्ड से चंडकाल का मानसिक संपर्क भी टूट गया।
साथ ही साथ- ध्रुव को कैद में रखने वाला आग का पिंजरा भी गायब होने लगा।
मेरा ख्याल सही निकला।
अब इससे पहले कि चंडकाल वापस अपने मंत्रदण्ड तक पहुंच सके,...
...मैं इसतक पहुंचकर इसको नष्ट कर दूंगा।
अच्छा! तो तुम समझते हो कि मेरा मंत्रदण्ड तुम अपने पास रख सकते हो?
मेरे मंत्रदण्ड को दुनिया की कोई भी ताकत रोक कर नहीं रख सकती, ध्रुव!
ओह! यह मंत्रदण्ड तो सचमुच चंडकाल की तरफ खिंच रहा है!
अगर मंत्रदण्ड इसके हाथों में वापस पहुंच गया, तो फिर मेरी हार निश्चित है।
इस लिए चंडकाल का ध्यान एक बार फिर बंटाना होगा!
निशाना सटीक था। पत्थर सिर से टकराते ही चंडकाल का दिमाग पल भर के लिए अंधकार में डूब गया—
तड़ाक
मंत्रदण्ड से उसका मानसिक संपर्क दुबारा टूट गया।

और उसी पल - ध्रुव ने आश्चर्यजनक शक्ति दिखाते हुए...
कड़क
...मंत्रदण्ड के दो टुकड़े कर दिए।
नहीं, मूर्ख! यह तूने क्या किया?
तूने मेरी वर्षों की तांत्रिक साधना के बाद प्राप्त हुए मंत्रदण्ड को नष्ट कर दिया।
अब मैं तुझे जिंदा नहीं छोड़ूंगा।
चंडकाल की दहकती आंखें ध्रुव की आंखों से टकराईं।
और ध्रुव का पूरा बदन जड़ हो गया।
यह मुझे सम्मोहित कर रहा है!
मुझे इसके सम्मोहन की पकड़ से बाहर निकलना ही होगा, वर्ना मेरी आंखें हमेशा के लिए बंद हो जाएंगी।
इस वक्त मेरे दिमाग को एक ऐसा तेज झटका चाहिए ...
... जो मुझे चंडकाल के सम्मोहन से आजाद करा दे।
अब तू हिल नहीं सकता, दुष्ट लड़के! मैं अपने मंत्रदण्ड के टूटने का बदला तेरे लहू की एक-एक बूंद पीकर लूंगा।
अब मुझे यह 'रोड क्रॉसिंग इंडीकेटर' ही बचा सकता है!
मेरा दिमाग धीरे-धीरे शून्य हो रहा है।
आश्चर्य! तुम अब भी अपना हाथ जरा सा हिला सकते हो? कमाल की इच्छा-शक्ति है तुम में!
पर अब यह तुम्हारी कोई मदद नहीं...?
ध्रुव ने एक झटके से तारों को बाहर खींच लिया।

तारों के एक हल्के से स्पर्श से ही ध्रुव के पूरे बदन में बिजली का एक तेज झटका दौड़ गया।
और ध्रुव का दिमाग तथा शरीर, दोनों ही चंडकाल के सम्मोहिनी शिकंजे से आजाद हो गए।
फिर ध्रुव ने चंडकाल को संभलने का मौका नहीं दिया।
यह सम्मोहन का जादू अपनी आंखों से करता है।
इसलिए सबसे पहले इसकी आंखों का इलाज करना पड़ेगा।
और इसका तरीका मामूली सा है।
यह हो गई इसकी आंखें बंद!
अब बोलो, चंडकाल।
तुम कितने साल के लिए जेल जाना पसंद करोगे?
मुझे जिंदगी में पहली बार किसी ने मात दी है, लड़के! तुम्हारी शक्ति और बुद्धि सचमुच तारीफ के काबिल है।
पर तुम मुझे पकड़ सको, इतनी काबिलियत तुम में नहीं है!
अरे! य-यह तो धुआं बन रहा है!!
फटाक
मैं वापस आऊंगा, ध्रुव! और उस दिन तुम मुझसे नहीं बच पाओगे!
क्योंकि अब की बार मैं तैयारी के साथ आऊंगा!
हा हा हा हा हा!

☆ पढ़िए 'वू-डू' और 'ग्रैंडमास्टर रोबो'

और फरारी के अड्डे पर-
न तुम्हारा तंत्र-मंत्र भी उसका कुछ नहीं बिगाड़ पाया?
नहीं! उल्टे उसने मेरा दुर्लभ मंत्रदण्ड तोड़ दिया!
और बगैर मंत्रदण्ड के मैं अपनी तांत्रिक शक्तियों का वार किसी पर नहीं कर सकता।
वह कैसे, चंडकाल?
यूं समझ लो कि तांत्रिक शक्तियां 'गोली' हैं, और मंत्रदण्ड 'बंदूक'। बिना बंदूक के गोलियां नहीं चल सकती हैं।
पर वैसा मंत्र-दण्ड तो तुम दुबारा बना सकते हो।
बना सकता हूं। पर उसके लिए मुझे वर्षों तक कठिन तांत्रिक साधना करनी होगी।
ध्रुव का मेरे रास्ते से हटना बहुत जरूरी है। क्या ऐसा कोई रास्ता नहीं है, जिससे तुम्हारी शक्तियां तुरत वापस आ जाएं?
हैं!
अगर मुझे पूर्वी हिमालय के एक मठ में रखा हुआ सा-सुंग का लाल हीरा मिल जाए, तो मेरी शक्तियां तुरत वापस आ सकती हैं।
सच? फिर तुम ध्रुव को मार दोगे?
तुम मुझे उस मठ का पता बताओ। मैं तुमको वह लाल हीरा लाकर दूंगा।
मान गया, मूर्ख। मेरा सारा नाटक कामयाब रहा!
तो ध्यान से सुनो, फरारी!
और थोड़ी ही देर बाद- फरारी काठमांडू के माफिया चीफ रोईकारा से बात कर रहा था।
सब ठीक से समझ गए न, रोईकारा?
यस, बिग बॉस! आपका गुलाम सब समझ गया।
अब आप निश्चिंत हो जाइए। हीरा कुछ घंटों बाद आपके हाथ में होगा।

चंडकाल को यह नाटक काफी महगा पड़ने वाला था। क्योंकि ध्रुव ने अपनी छानबीन शुरू कर दी थी।
वाह! आज तो डॉल्फिन आधी सीटी मे ही आ गई।
कैसे हो, दोस्त? आज तुमको फिर मुझे लेकर स्वर्ण-नगरी चलना है।
उन लोगों ने शायद अपने रहने का स्थान बदल दिया हो।
पर तुम जैसे घुमक्कड़ को वह स्थान जरूर मालूम होगा।
डॉल्फिन को वह जगह शायद पता थी।
क्योंकि कुछ ही क्षणों बाद- डॉल्फिन, ध्रुव को लेकर सागर की अथाह गहराइयो मे उतर रही थी।
और शीघ्र ही-
तुम मुझे यहा पर क्यों ले आए, दोस्त?
इस जगह पर तो स्वर्ण मानव पहले रहा करते थे।
इस वक्त तो यहां पर दूर-दूर तक कुछ नही है।
तुमको अवश्य कुछ भ्रम हुआ है, डॉल्फिन!
हमको किसी और स्थान पर जाकर स्वर्ण-नगरी की तलाश करनी चाहिए।
क्या बात है, डॉल्फिन? तुम इतना उत्तेजित क्यों..? हे भगवान!
पीछे घूमकर देखते ही ध्रुव का बदन कंपकंपाहट से भर गया।

दृश्य खून जमा देने वाला था।
हत्यारी शॉर्कों का पूरा एक झुंड!
यह हमारी तरफ ही आ रहा है।
और मेरे पास मंत्रदण्ड के इस टूटे टुकड़े के अलावा और कोई हथियार नहीं है।
पहली शॉर्क के खतरनाक जबड़े से ध्रुव बाल-बाल बचा। पर बचते-बचते भी शॉर्क के तेज दांतों ने ध्रुव के पैर पर एक खरोंच मार ही दी।
और खरोंच से खून की एक पतली धार निकलकर पानी मे घुलने लगी।
शॉर्कों को और खूंख्वार बना देने के लिए खून की इतनी सी महक ही काफी थी।
इनको मेरे खून की गंध मिल गई है।
अब ये जब तक मेरा लंच नहीं कर लेतीं, तब तक ये मुझपर हमला करती रहेंगी। किसी तरह से इनका ध्यान बंटाना ही पड़ेगा।
शॉर्कें, ध्रुव की तरफ लपकीं।

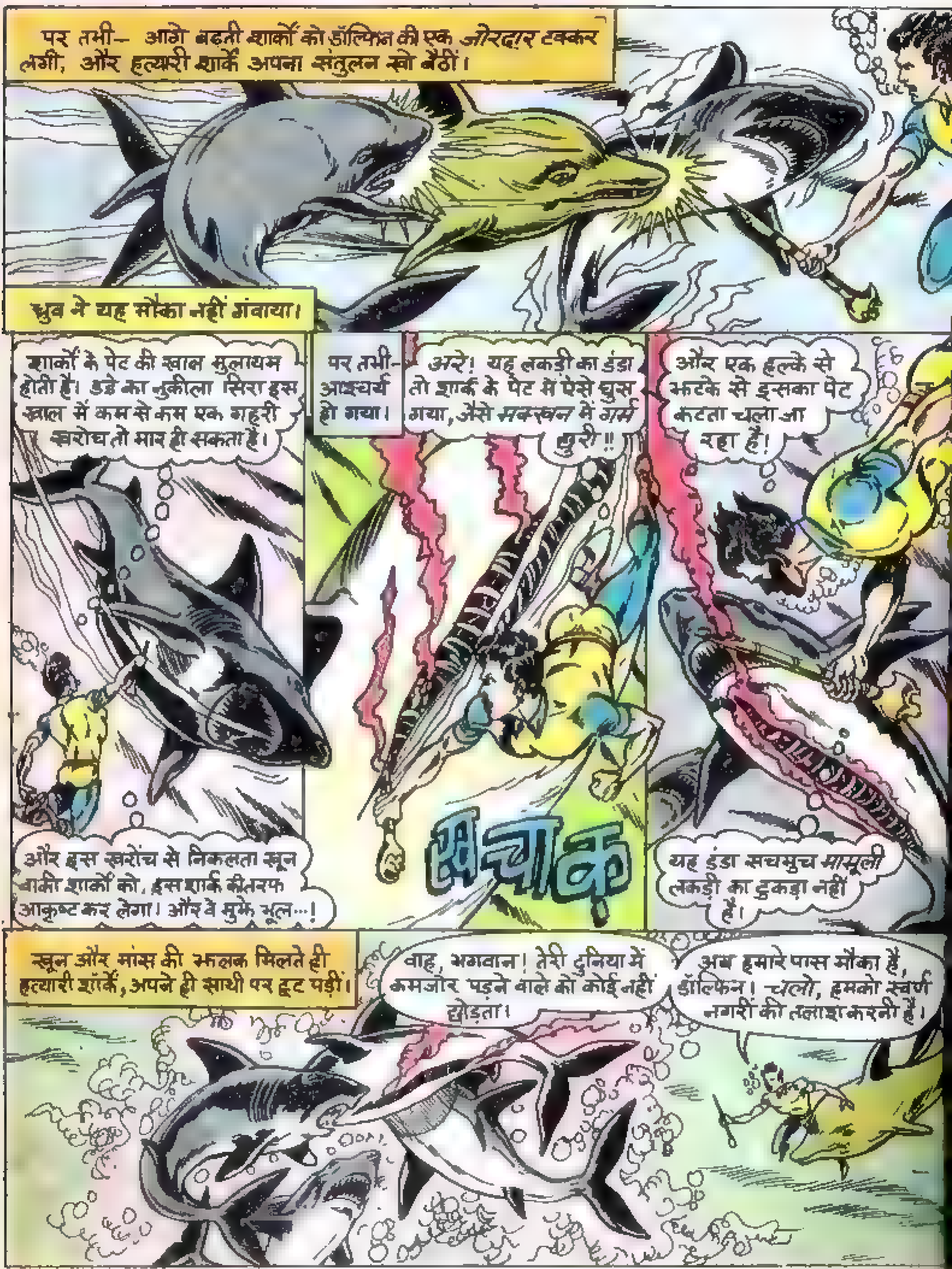
पर तभी– आगे बढ़ती शार्कों को डॉल्फिन की एक ज़ोरदार टक्कर लगी, और हत्यारी शार्कें अपना संतुलन खो बैठीं।
ध्रुव ने यह मौका नहीं गंवाया।
शार्कों के पेट की खाल मुलायम होती है। डंडे का नुकीला सिरा इस खाल में कम से कम एक गहरी खरोंच तो मार ही सकता है।
और इस खरोंच से निकलता खून बाकी शार्कों को, इस शार्क की तरफ आकृष्ट कर लेगा। और वे मुझे भूल...!
पर तभी- आश्चर्य हो गया।
अरे! यह लकड़ी का डंडा तो शार्क के पेट में ऐसे घुस गया, जैसे मक्खन में गर्म छुरी!!
खचाक
और एक हल्के से झटके से इसका पेट कटता चला आ रहा है!
यह डंडा सचमुच मामूली लकड़ी का टुकड़ा नहीं है।
खून और मांस की झलक मिलते ही हत्यारी शार्कें, अपने ही साथी पर टूट पड़ीं।
वाह, भगवान! तेरी दुनिया में कमज़ोर पड़ने वाले को कोई नहीं छोड़ता।
अब हमारे पास मौका है, डॉल्फिन! चलो, हमको स्वर्ण नगरी की तलाश करनी है।

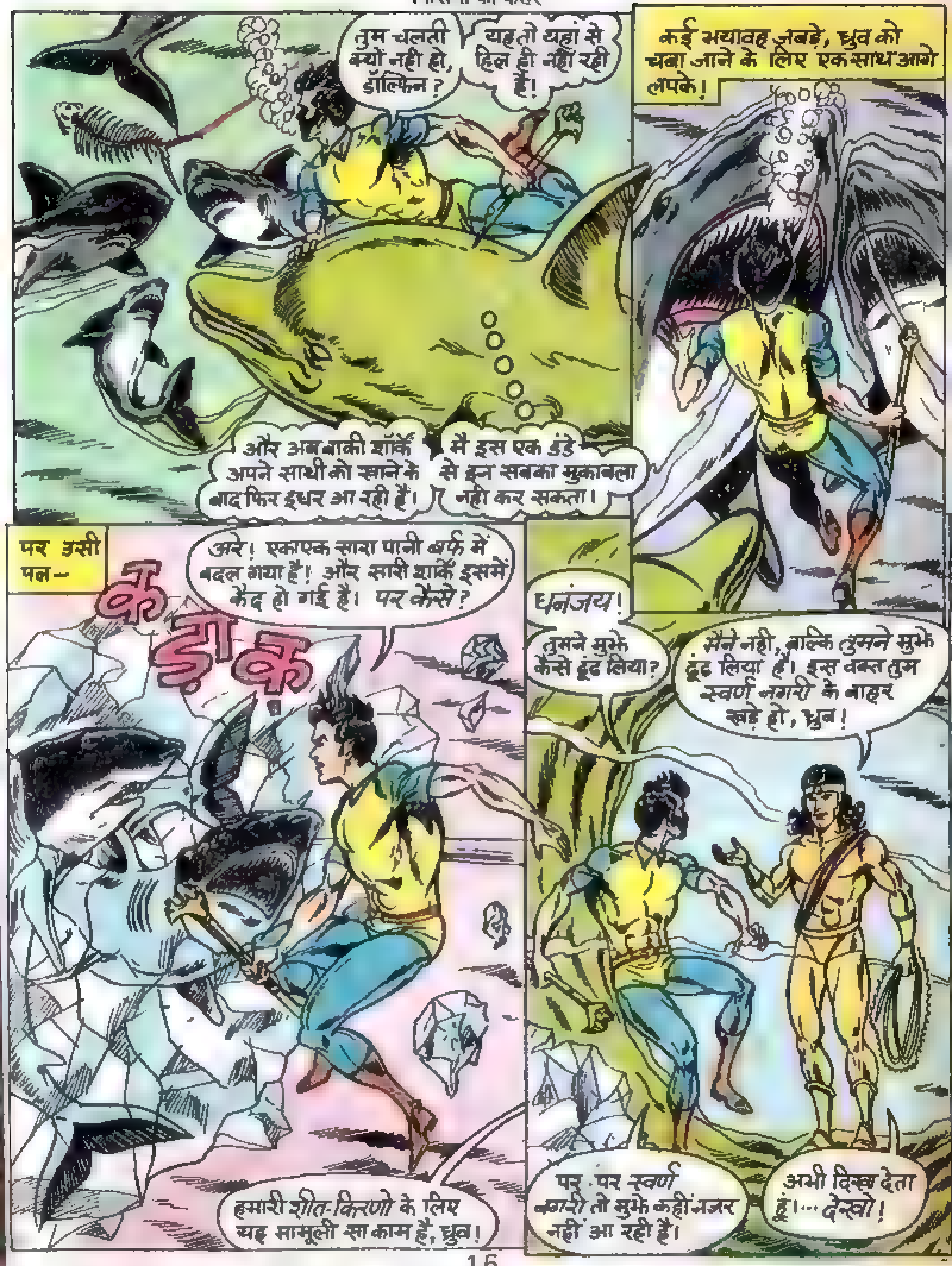

तुम चलती क्यों नहीं हो, डॉल्फिन ?
यह तो यहां से हिल ही नहीं रही है!
और अब बाकी शार्कें अपने साथी को खाने के बाद फिर इधर आ रही हैं।
मैं इस एक डंडे से इन सबका मुकाबला नहीं कर सकता।
कई भयावह जबड़े, ध्रुव को चबा जाने के लिए एकसाथ आगे लपके।
पर उसी पल—
कड़ाक
अरे! एकाएक सारा पानी बर्फ में बदल गया है! और सारी शार्कें इसमें कैद हो गई हैं। पर कैसे?
हमारी शीत-किरणों के लिए यह मामूली सा काम है, ध्रुव!
धनंजय!
तुमने मुझे कैसे ढूंढ लिया?
मैंने नहीं, बल्कि तुमने मुझे ढूंढ लिया है। इस वक्त तुम स्वर्ण नगरी के बाहर खड़े हो, ध्रुव!
पर..पर स्वर्ण नगरी तो मुझे कहीं नजर नहीं आ रही है।
अभी दिखा देता हूं।... देखो!

☆ पढ़िए 'ग्रैंडमास्टर रोबो'

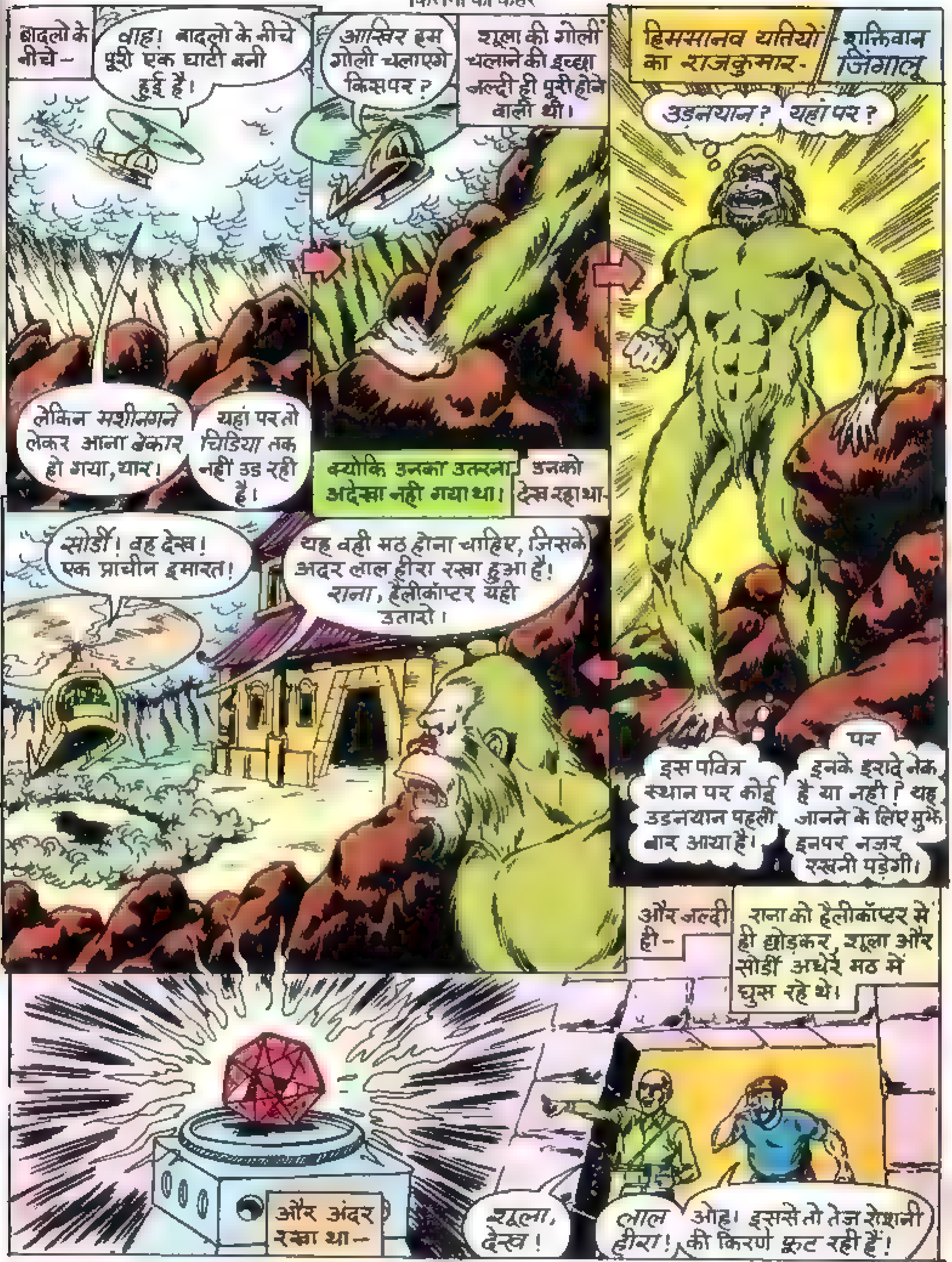
बादलो के नीचे –
ओह! बादलों के नीचे पूरी एक घाटी बनी हुई है।
आखिर हम गोली चलाएंगे किसपर ?
शूला की गोली चलाने की इच्छा जल्दी ही पूरी होने वाली थी।
लेकिन मशीनगन लेकर आना बेकार हो गया, यार।
यहां पर तो चिड़िया तक नहीं उड़ रही है।
क्योंकि उनका उतरना अदेखा नही गया था।
उनको देख रहा था-
हिममानव यतियों का राजकुमार-
शक्तिवान जिंगालू
उड़नयान? यहां पर?
सोडी! वह देख! एक प्राचीन इमारत!
यह वही मठ होना चाहिए, जिसके अंदर लाल हीरा रखा हुआ है! राना, हेलीकॉप्टर यही उतारो।
इस पवित्र स्थान पर कोई उड़नयान पहली बार आया है।
पर इनके इरादे नेक है या नही ? यह जानने के लिए मुझे इनपर नज़र रखनी पड़ेगी।
और जल्दी ही –
राना को हेलीकॉप्टर में ही छोड़कर, शूला और सोडी अंधेरे मठ में घुस रहे थे।
और अंदर रखा था –
शूला, देख!
लाल हीरा!
ओह! इससे तो तेज़ रोशनी की किरणें फूट रही हैं!

शूला, देखो यहां पर क्या लिखा है? तुमको तो यहां की भाषा आती है।
लिखा है, 'यहां पर काल-जयी अमर महानिंजा किरीगी अपनी योगिक साधना में लीन है! लाल हीरा उसकी साधना का केंद्र है!...
...जो भी प्राणी इस लाल हीरे को हाथ लगाएगा, उसे किरीगी निंजा के क्रोध का सामना करना पड़ेगा।'
पत्थर पर पड़ी तारीख आज से सैकड़ो वर्ष पहले की है।
होऽऽऽ! मैं तो डर गया, भाई! हीरा तो हमने उठा ही लिया है। अब कहीं 'निंजाजी' सैकड़ों साल बाद जग गए, तो हमारी खैर नहीं है।
अगर जग गए, तो कम से कम मशीनगन को लाना सफल हो जाएगा।
पीछे घूमकर मत देखना। नहीं तो निंजा किरीगी उठ कर खड़ा हो जाएगा। हा हा हा हा!
और हम दोनों को पकड़कर खा जाएगा। ही ही ही ही ही!
यह क्या हो रहा है?
मेरी साधना भंग हो रही है! क्या?
किसी ने सा-युग के लाल हीरे को अपने स्थान से हटा दिया है!
और मैं हीरे को हटाने वालों को देख रहा हूं।
मेरी साधना को बीच में ही भंग करने का दंड इनको अवश्य मिलेगा! इनपर बरसेगा...
...निंजा किरीगी का कहर!
स-सोरी! यह तो (गटक) वही है! किरीगी निंजा!
यह तो सचमुच उठ खड़ा हुआ!
भाग, शूला! मुझे तो इससे ड-डर लग रहा है!

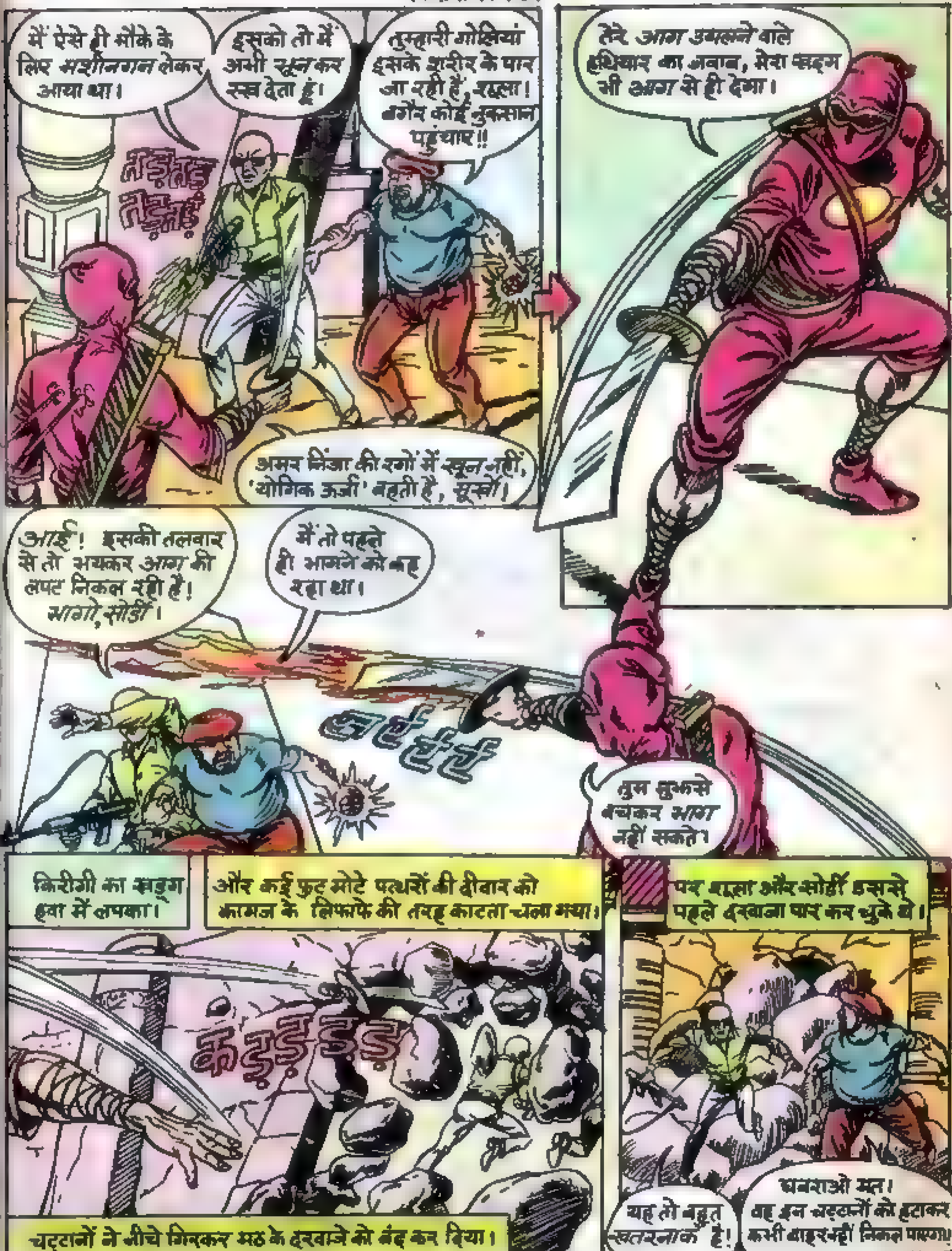
मैं ऐसे ही मौके के लिए मशीनगन लेकर आया था।
इसको तो मैं अभी भून कर रख देता हूं।
तड़तड़ तड़ाड़
तुम्हारी गोलियां इसके शरीर के पार जा रही हैं, रहला! बगैर कोई नुकसान पहुंचाए!!
अमर निंजा की रगों में खून नहीं, 'योगिक ऊर्जा' बहती है, मूर्खो!
तेरे आग उगलने वाले हथियार का जवाब, मेरा खड्ग भी आग से ही देगा।
आई! इसकी तलवार से तो भयंकर आग की लपट निकल रही है! भागो, सोर्डी।
मैं तो पहले ही भागने को कह रहा था।
तुम मुझसे बचकर भाग नहीं सकते।
किरीगी का खड्ग हवा में लपका।
और कई फुट मोटे पत्थरों की दीवार को कागज के लिफाफे की तरह काटता चला गया।
पर रहला और सोर्डी इससे पहले दरवाजा पार कर चुके थे।
कड़ड़ड़ड़
चट्टानों ने नीचे गिरकर मठ के दरवाजे को बंद कर दिया।
यह तो बहुत खतरनाक है!
घबराओ मत! वह इन चट्टानों को हटाकर कभी बाहर नहीं निकल पाएगा!

इस हीरे को तो शोईकारा करोड़ों का बेचेगा!
यह हीरा बेचने के लिए नहीं है। इस हीरे को राजनगर के माफिया बॉस फरारी ने मंगवाया है, शूला!
इस हीरे के जरिए वह ध्रुव को खत्म करना चाहता है।
तो ये दोनों दुष्ट मठ से लाल हीरा लेकर भाग रहे हैं।
और इस लाल हीरे से, किसी प्रकार ध्रुव की जान ली जाएगी।
एक ही छलांग में जिंगालू, हैलीकॉप्टर और शूला, सोडी के बीच में आ खड़ा हुआ।
जिंगालू इन दोनों में से कोई भी मन्सूबा पूरा होने नहीं देगा।
अ.. अब ये क्या मुसीबत आ गई?
प... पता नहीं। पर इसको तो मैं अभी मशीनगन से देख लेता हूं।
मशीनगन खड़खड़ाई-
और साथ ही साथ जिंगालू का हाथ भी फुर्ती से घूमा।
एक भी गोली जिंगालू तक नहीं पहुंच पाई।
क्योंकि सारी गोलियां, जिंगालू की मुट्ठी में कैद थीं।
लो! ये रहीं तुम्हारी सारी गोलियां!
य.. यह तो बोलता है!
और अब मुझे बताओ, कि इस लाल हीरे और ध्रुव से क्या संबंध है?
आर्र्र्घ! मे.. मेरा... गला दब.. रहा है।

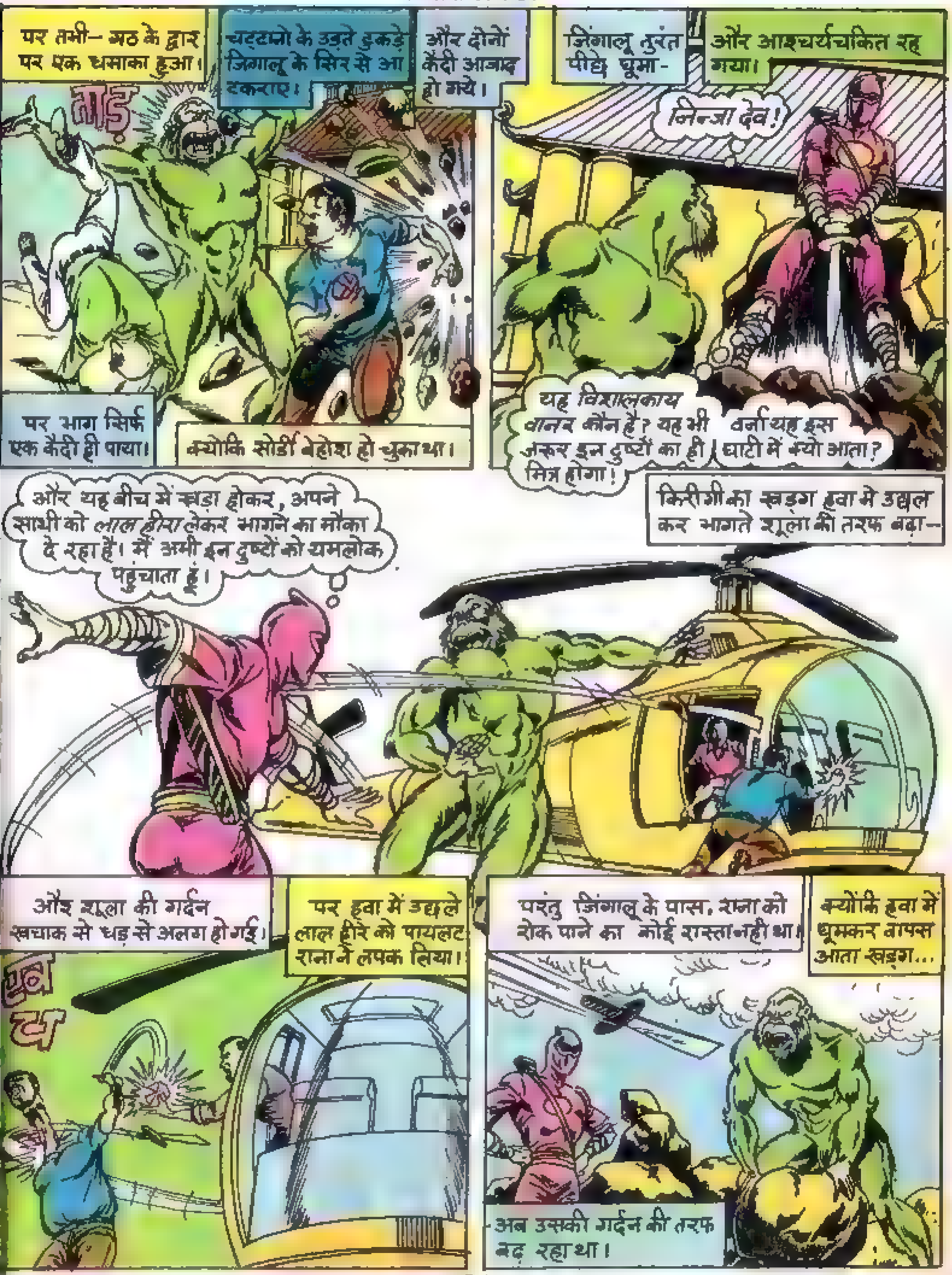
पर तभी– मठ के द्वार पर एक धमाका हुआ।
चट्टानों के उड़ते टुकड़े जिंगालू के सिर से आ टकराए।
और दोनों कैदी आजाद हो गये।
ताड़
पर भाग सिर्फ एक कैदी ही पाया।
क्योंकि सोडी बेहोश हो चुका था।
जिंगालू तुरंत पीछे घूमा-
और आश्चर्यचकित रह गया।
निन्जा देव!
यह विशालकाय वानर कौन है? यह भी जरूर इन दुष्टों का ही मित्र होगा!
वर्ना यह इस घाटी में क्यों आता?
और यह बीच में खड़ा होकर, अपने साथी को लाल हीरा लेकर भागने का मौका दे रहा है। मैं अभी इन दुष्टों को यमलोक पहुंचाता हूं।
किरीगी का खड्ग हवा में उछल कर भागते शूला की तरफ बढ़ा–
और शूला की गर्दन खचाक से धड़ से अलग हो गई।
पर हवा में उछले लाल हीरे को पायलट राना ने लपक लिया।
परंतु जिंगालू के पास, राना को रोक पाने का कोई रास्ता नहीं था।
क्योंकि हवा में घूमकर वापस आता खड्ग...
अब उसकी गर्दन की तरफ बढ़ रहा था।

ओह! निंजादेव मुझे भी खत्म कर देना चाहते हैं। ये मुझे भी अवश्य इन चोरों का ही साथी समझ रहे हैं।
पर ऐसी स्थिति में मुझे भी अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार है।
टनाक
फिर चाहे मेरा प्रतिद्वंद्वी दानव हो, ...
या देवता!
अच्छा! तो तू मुझे चुनौती देने का साहस कर रहा है, वानर?
अब किरीगी भी तुझसे अपने खड्ग के बिना ही निपटेगा।
संभाल मेरे वार को, वानर!
इतनी भारी विशाल शिला जिंगालू की ओर लपकी। और जिंगालू की मुट्ठियां कस गईं।
मेरी सहायता करना, इष्टदेव!
और शक्तिशाली जिंगालू के एक भीषण वार से ही, विशाल चट्टान के टुकड़े हवा में बिखर गए।
धड़ाक
वाह, वानर!
तू कौन है? तेरे जैसा शक्तिशाली प्राणी मैंने पहले कभी नहीं देखा।
मैं आपका सेवक, हिममानव यतियों का राजकुमार जिंगालू हूं, निंजादेव।

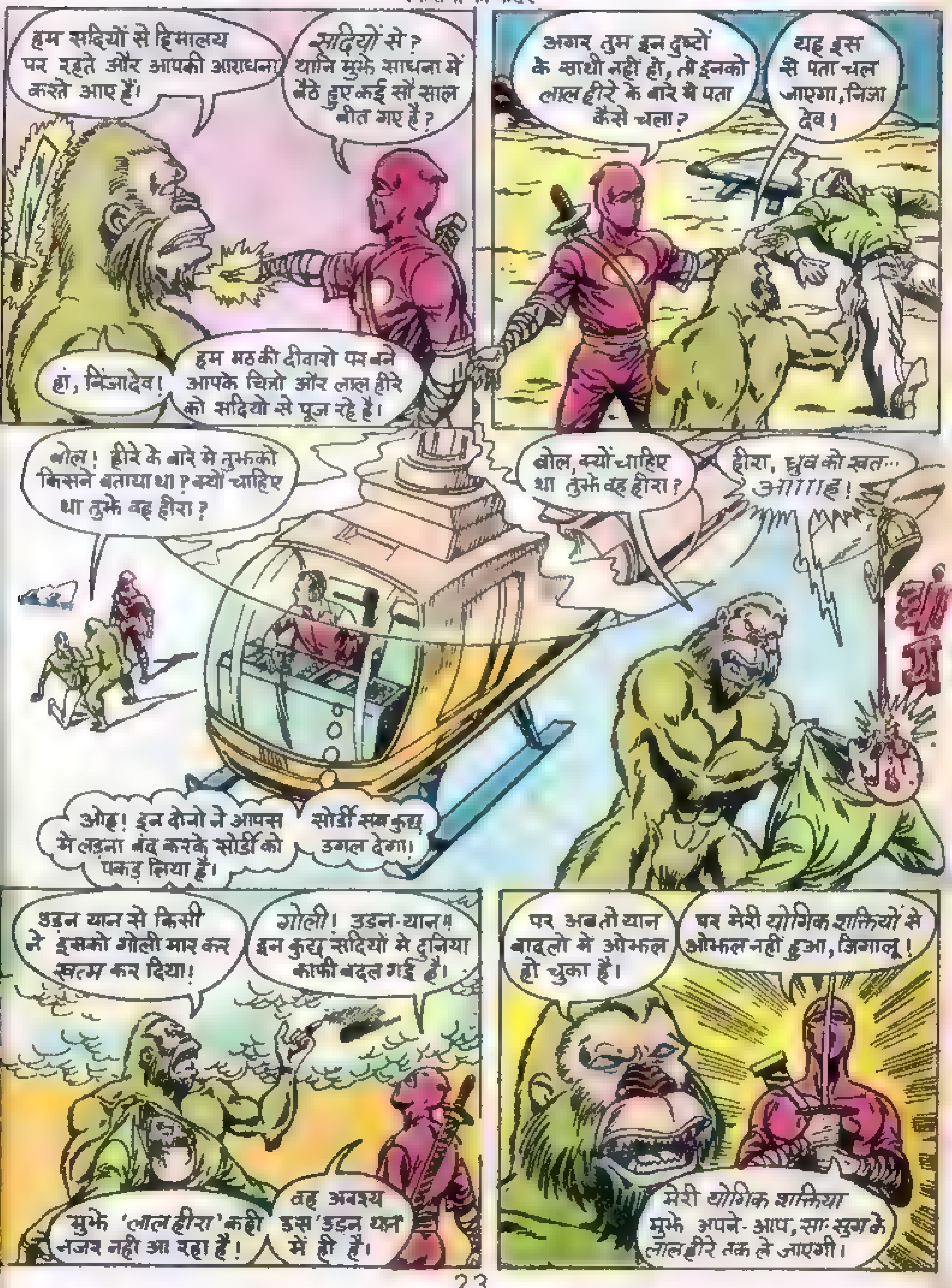
हम सदियों से हिमालय पर रहते और आपकी आराधना करते आए हैं।
सदियों से? यानि मुझे साधना में बैठे हुए कई सौ साल बीत गए हैं?
हां, निंजादेव!
हम मठ की दीवारो पर बने आपके चित्रो और लाल हीरे को सदियो से पूज रहे हैं।
अगर तुम इन दुष्टों के साथी नहीं हो, तो इनको लाल हीरे के बारे में पता कैसे चला?
यह इस से पता चल जाएगा, निंजा देव।
बोल! हीरे के बारे में तुझको किसने बताया था? क्यों चाहिए था तुझे वह हीरा?
बोल, क्यों चाहिए था तुझे वह हीरा?
हीरा, ध्रुव को खत... आ आ आह!
ओह! इन दोनो ने आपस मे लड़ना बंद करके सोर्डी को पकड़ लिया है।
सोर्डी सब कुछ उगल देगा।
उड़न यान से किसी ने इसको गोली मार कर खत्म कर दिया।
गोली! उड़न-यान!! इन कुछ सदियों में दुनिया काफी बदल गई है।
मुझे 'लाल हीरा' कही नजर नही आ रहा है!
वह अवश्य इस 'उड़न यान' में ही है।
पर अब तो यान बादलो में ओझल हो चुका है।
पर मेरी योगिक शक्तियों से ओझल नहीं हुआ, जिगालू!
मेरी योगिक शक्तियां मुझे अपने-आप, सा-सुग के लाल हीरे तक ले जाएगी।

और तब वह दुष्ट ध्रुव, मेरे हाथों से मृत्यु को प्राप्त होगा!
ओह! निंजा देव उस आदमी के मुंह से ध्रुव का नाम सुनकर ध्रुव को ही अपराधी मान बैठे हैं!
ऐसे में अगर ध्रुव और निंजादेव का टकराव हो गया, तो ध्रुव की जान खतरे में पड़ सकती है।
मैं ऐसा कभी नहीं होने दूंगा।
ध्रुव ने एक बार मेरी जान और मेरी जाति की इज्जत बचाई है। ☆
मुझे सिर्फ इतना पता है कि ध्रुव, पश्चिमी तट पर स्थित महानगरी राजनगर में है! पर मुझे उसका उपकार उतारना ही होगा!
और फिर—
...मैं तुम्हारी समस्या समझ गया, पुत्र जिंगालू!
तो मुझे ध्रुव की महानगरी राजनगर तक पहुंचने का मार्ग बताइए, सर्वज्ञाता!
इस समय एक-एक क्षण कीमती है। और ध्रुव तक पहुंचने का सबसे तेज मार्ग है, आकाश मार्ग!
मैं तुमको उड़ने की वह शक्ति देता हूं, जिसका प्रयोग आज से सदियों पहले महा वानर हनुमान ने किया था।
अब तुम पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति से मुक्त हो, जिंगालू!
अब जाओ! इष्टदेव तुम्हारी यात्रा सफल करेंगे।
एक हुंकार के साथ जिंगालू ने एक भीषण छलांग मारी—
जय इष्ट देव!
और अगले ही क्षण जिंगालू राजनगर की तरफ बढ़ रहा था।

☆ पढ़िए 'बर्फ की चिता'

परंतु ध्रुव इस समय समुद्र की गहराइयों में था।
चंडकाल? यह टुकड़ा चंडकाल के मंत्र-दण्ड का है। यानि वह दुष्ट अभी भी जीवित है!
तभी तुमने इस डंडे से शॉर्क का पेट आसानी से चीर दिया था।
तुम चंडकाल को जानते हो, धनंजय?
बहुत अच्छी तरह से।
चंडकाल हमारे युग की उस निर्दयी जाति का आखिरी वंशज है, जिसे तुम लोग राक्षस के नाम से जानते हो। हमारे युगों-युगों के दुश्मन!
जिस प्रकार से हम वैज्ञानिक शक्तियों की खोज करते हैं।...
...राक्षस, मायावी या जादुई शक्तियों की खोज करते हैं।
जादू, टोना, तंत्र, मंत्र, यह सब मैं नहीं मानता, धनंजय।
'जादू' भी एक प्रकार की शक्ति है, ध्रुव! और यह भी उतनी असली और ताकतवर है, जितनी कि हमारी वैज्ञानिक शक्तियां।
पर मुझे यह नहीं समझ में आया कि चंडकाल ने, फरारी जैसे आदमी की मदद क्यों ली?
और न ही यह समझ में आया, कि तुमने उसको हरा कैसे दिया?
सच पूछो तो चंडकाल की शक्तियों का सामना, पृथ्वीवासी मिलकर भी नहीं कर सकते।
उसके लिए कुछ भी असंभव नहीं है। आखिर ऐसा कौन सा काम है, जिसे फरारी कर सकता है, पर चंडकाल नहीं?
ऐसा एक ही काम है, धनंजय!
हिमालय के कलिंपा मठ में घुसना।
सा-सुग का लाल हीरा उठाने के लिए।
आप ठीक कह रहे हैं, ज्ञानेश्वर! परंतु अगर ऐसा हो गया, तो गजब हो जाएगा!
मुझे तो कुछ भी समझ में नहीं आ रहा है।
धनंजय ने शीघ्रता से ध्रुव को सा-सुग के लाल हीरे की सारी कहानी सुना दी।
...अब हमें यह देखना है कि किरीगी की निगरानी में रखा लाल हीरा सुरक्षित है या नहीं।

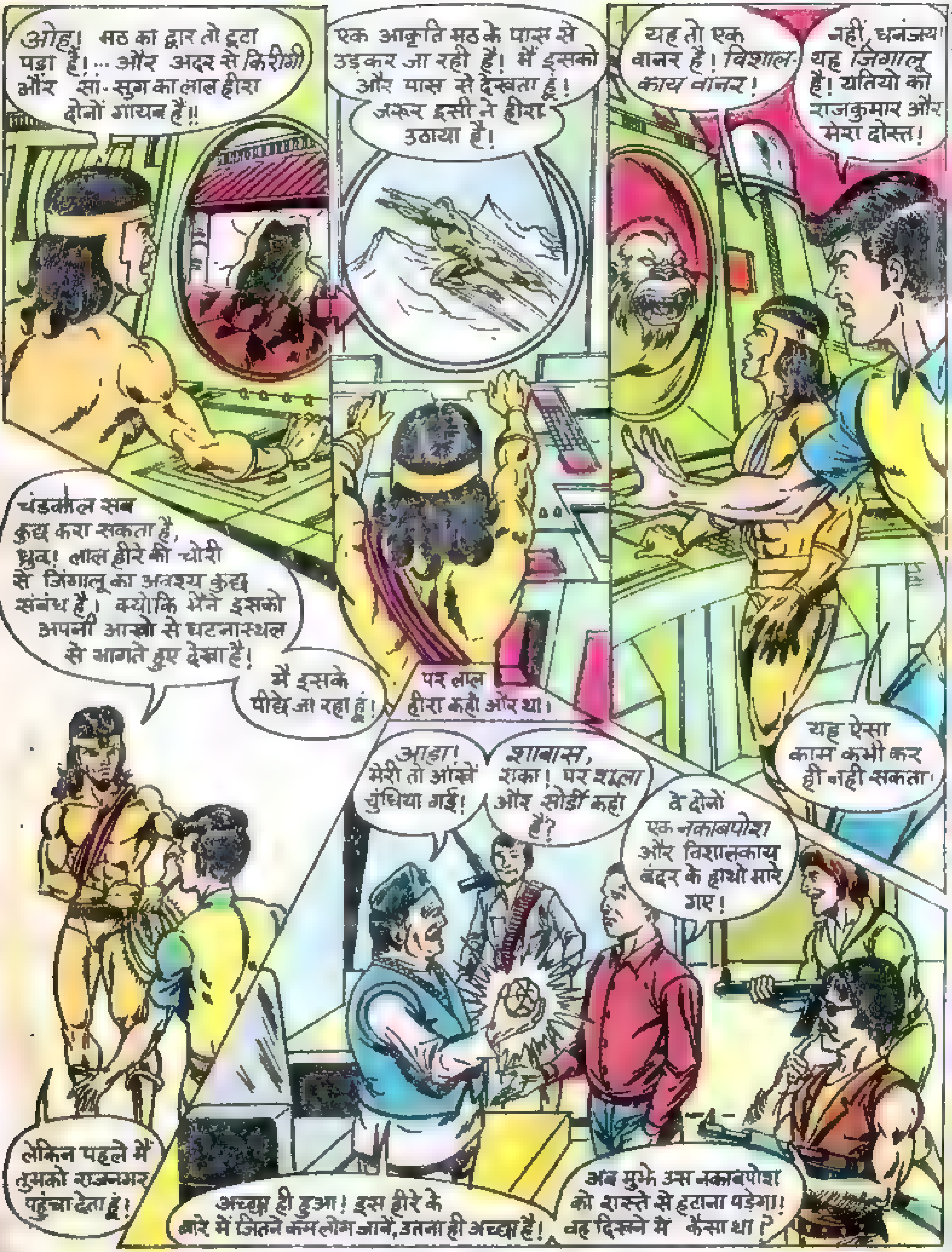
ओह! मठ का द्वार तो टूटा पड़ा है!... और अंदर से किरीगी और सां-सुग का लाल हीरा दोनों गायब हैं!!
एक आकृति मठ के पास से उड़कर जा रही है! मैं इसको और पास से देखता हूं!
जरूर इसी ने हीरा उठाया है!
यह तो एक वानर है! विशालकाय वानर!
नहीं, धनंजय! यह जिंगालू है! यतियों का राजकुमार और मेरा दोस्त!
चंडकाल सब कुछ करा सकता है, ध्रुव! लाल हीरे की चोरी से जिंगालू का अवश्य कुछ संबंध है। क्योंकि मैंने इसको अपनी आंखों से घटनास्थल से भागते हुए देखा है!
यह ऐसा काम कभी कर ही नहीं सकता।
मैं इसके पीछे जा रहा हूं!
लेकिन पहले मैं तुमको राजनगर पहुंचा देता हूं!
पर लाल हीरा कहीं और था।
आहा! मेरी तो आंखें चुंधिया गईं!
शाबास, राका! पर शल्ला और सोढ़ी कहां हैं?
वे दोनों एक नकाबपोश और विशालकाय बंदर के हाथों मारे गए!
अच्छा ही हुआ! इस हीरे के बारे में जितने कम लोग जानें, उतना ही अच्छा है!
अब मुझे उस नकाबपोश को रास्ते से हटाना पड़ेगा! वह दिखने में कैसा था?

तभी-
ख्र्र्र्र्य
चर्र्र्र्र्र्ड़ड़ड़ड़च
ऐसा था,
रोईकारा बॉस!
यही है वह
नकाबपोश!
पर-पर· यह इतनी
जल्दी वहा से यहां कैसे
आ गया?
और-
इसने तो कई फुट
मोटी दीवार को अपनी
तलवार से काट डाला!!
यह तो बहुत
खतरनाक है!
रोको इसे!
गोलिया चलाओ।
रॉकेट दागो!!
भून डालो
साले को!
पर किरीमी पर इन सब
का कुछ असर नही होना था!!
उसके शरीर की योगिक ऊर्जा ने,
सभी घातक गोलियों और रॉकेटों
को, पलक झपकते नष्ट कर दिया।
इसीलिए पहले मुझे...
तुम लोगों का रूख देखकर लग
रहा है, कि तुम लोग मुझे लाल हीरा नहीं दोगे।...

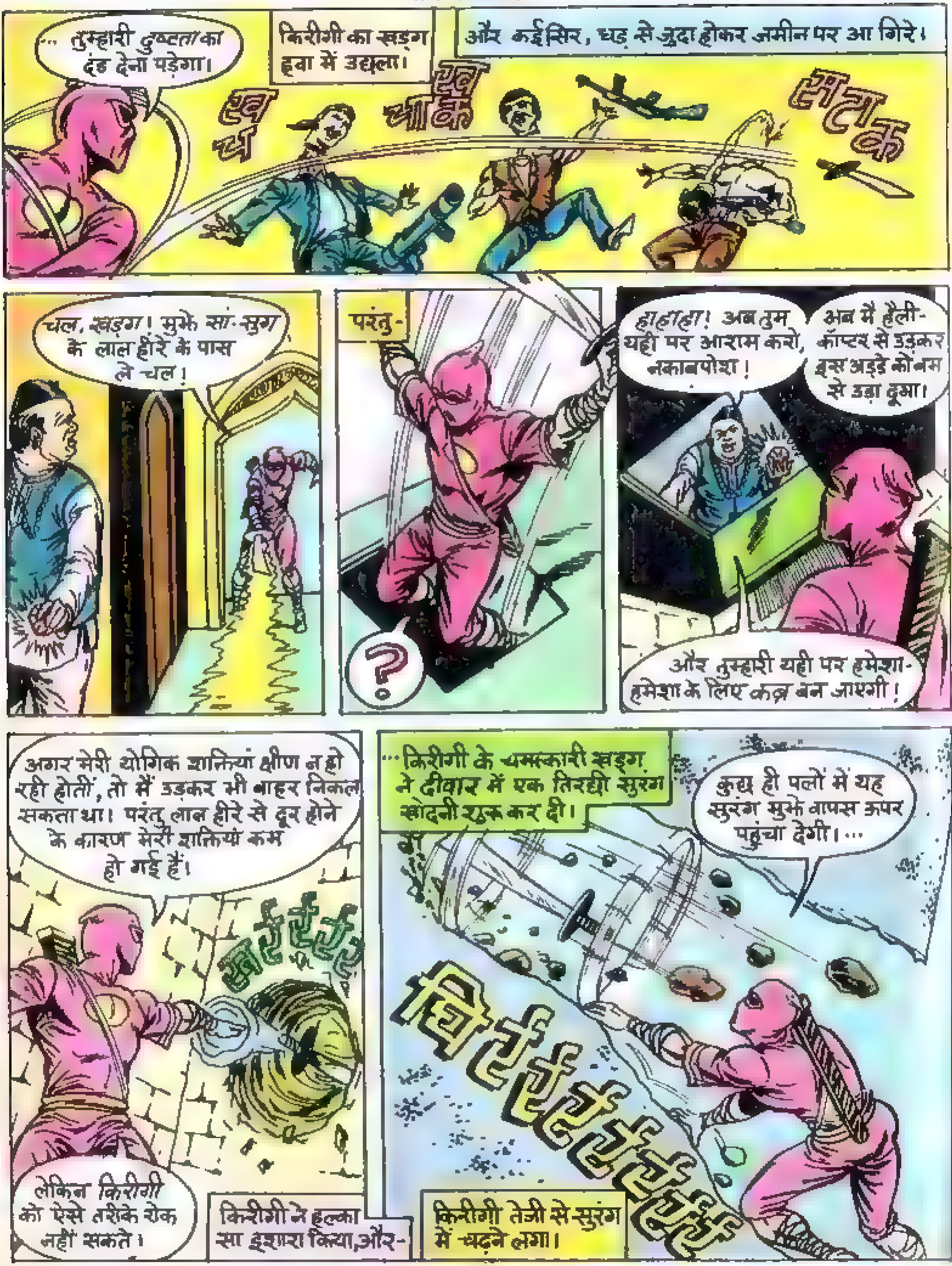
...तुम्हारी दुष्टता का दंड देना पड़ेगा।
किरीगी का खड्ग हवा में उछला।
और कई सिर, धड़ से जुदा होकर जमीन पर आ गिरे।
खच
खच
खचाक
खटाक
चल, खड्ग! मुझे सां-सुग के लाल हीरे के पास ले चल!
परंतु-
हाहाहा! अब तुम यहीं पर आराम करो, नकाबपोश!
अब मैं हैलीकॉप्टर से उड़कर इस अड्डे को बम से उड़ा दूंगा।
?
और तुम्हारी यहीं पर हमेशा-हमेशा के लिए कब्र बन जाएगी!
अगर मेरी योगिक शक्तियां क्षीण न हो रही होतीं, तो मैं उड़कर भी बाहर निकल सकता था। परंतु लाल हीरे से दूर होने के कारण मेरी शक्तियां कम हो गई हैं।
लेकिन किरीगी को ऐसे तरीके रोक नहीं सकते।
किरीगी ने हल्का सा इशारा किया, और-
...किरीगी के चमत्कारी खड्ग ने दीवार में एक तिरछी सुरंग खोदनी शुरू कर दी।
कुछ ही पलों में यह सुरंग मुझे वापस ऊपर पहुंचा देगी।...
किरीगी तेजी से सुरंग में चढ़ने लगा।

और-
ओह! वह दुष्ट हीरा लेकर उड़न-यंत्र से कहीं और जा रहा है।
यानि मेरी तलाश अभी खत्म नहीं...!
तभी एक कर्णभेदी धमाका हुआ।
और उसके बाद, लगातार कई और धमाके।
?
धड़ाम
धड़ाक
धड़ाम
हाहाहाहा! मैंने इसी दिन के लिए अपने अड्डे में जगह-जगह बम फिट कर रखे थे।
नकाबपोश जैसा आदमी भी इन बमों से नहीं बच सकता!...
...कभी नहीं बच सकता!
अब यह बेशकीमती लाल हीरा मेरा है।
सिर्फ मेरा! फरारी से कह दूंगा कि वहां पर न तो मठ था, और न ही हीरा।
वाह, रोईकारा! तुम कितने चालाक हो! हाहाहाहा।
दूसरी तरफ - राजनगर की तरफ बढ़ रहे जिगालू के लिए भी ध्रुव तक पहुंचना आसान नहीं था।
अरे! एकाएक यह 'सोने की रस्सी' हवा में कैसे आ गई?
और यह मुझे बांध क्यों रही है?

और-
धड़ाक
यह तो कोई 'स्वर्ण-मानव' लगता है!
पर इसने मुझपर हमला क्यों किया?
अभी तुम मेरे 'स्वर्ण पाश' की कैद में हो, वानर! तुमको सच बोलना ही पड़ेगा।
बताओ, चंडकाल और लाल हीरा कहां पर है?
चंडकाल नाम तो मैंने पहले कभी नहीं सुना।
पर तुम 'लाल हीरे' के बारे में जानते हो, यह जानकर मुझे खुशी हुई।
शायद तुमने ही दो दुष्टों को लाल हीरे का पता बताया था?
पहले मैं तुम्हारे स्वर्ण पाश से आजाद हो लूं।
?
फिर तुमको मेरे सवालों का जवाब देना होगा!
जिंगालू ने उड़ कर पाश को एक उभरी चट्टान में अटका दिया।
और जिंगालू आजाद हो गया।
अब बताओ, स्वर्ण मानव।
तुम लाल हीरे के बारे में कैसे जानते हो? और यह चंडकाल कौन है?
पर ये चट्टानें इतनी मजबूत नहीं हैं।
भोला बनने की कोशिश मत करो, वानर! धनंजय के पास सच उगलवाने के बहुत रास्ते हैं।
अरे! इसने तो मुझे ऊर्जा-बंधनों में कैद कर लिया!
अपनी सारी शक्ति के बावजूद मैं इन बंधनों को तोड़ नहीं पाऊंगा।
हे देव! इसमें तो शक्ति के साथ-साथ बुद्धि भी है!

इसलिए मुझे भी यह लड़ाई ठंडे दिमाग से लड़नी होगी।
इनको 'रिमोट-कंट्रोल' वार कहते हैं, जिगालू! यानि दूर से ही नियंत्रित किए जा सकने वाले वार!
तुम मेरा नाम कैसे जानते हो?
टिशू
आह! यह कैसी जादूभरी है?
तुम हाथ वहां पर हिलाते हो, और घूंसा मुझे यहां पर लगता है!
आऊ! एक पल रुको, स्वर्ण-मानव!
मुझे तुम्हारा नाम ध्रुव ने बताया था।
ध्रुव! मेरे दोस्त ध्रुव ने?
यानि तुम भी ध्रुव के दोस्त हो, स्वर्ण मानव!
फिर आखिर हम लोग आपस में लड़ क्यों रहे हैं?
...धनंजय और जिगालू के बीच की सारी गलतफहमी दूर हो गई।
और फिर-
एक दूसरे से उसकी कहानी सुनने के बाद...
मुझे माफ करना, दोस्त! मैं तुमको गलत समझ बैठा था।
अब मुझे चंडकाल की तलाश और ज़ोर-शोर से करनी पड़ेगी।
मुझे भी ध्रुव के पास जल्दी से जल्दी पहुंचना है, धनंजय!
ठीक है! हम जल्दी ही फिर मिलेंगे!
दूसरी तरफ- तस्करों के गढ़ राजनगर में-
ड्रग्स ए क्यूटी, रेडियमस!
पचास करोड़ में सौदा पक्का!
पक्का, कोस्टा!
और तेरी मौत भी पक्की हो गई, गद्दार!

फरारी! तु-तुमने मुझे कैसे ढूंढ लिया?
मैंने नहीं, तुमको चंडकाल ने ढूंढा है। यह तुम्हारी हर हरकत को अपने जादू से देख रहा था!
मुझसे गद्दारी करने वाले को गिद्ध खाते हैं, रोईकारा!
और अब तेरा भी वही हाल होगा!
फरारी के हाथ की मशीनगन तड़तड़ाई...
तड़ तड़ तड़ तड़
और पलभर में दो लाशें जमीन पर गिर गईं।
यह रहा सां-सुंग का लाल हीरा, चंडकाल! मैंने अपना वादा पूरा किया।
अब तुम ध्रुव को खत्म करने का अपना वादा पूरा करो।
हाहाहाहा! शाबास, फरारी! शाबास!
ध्रुव तो क्या, अब मेरे रास्ते में जो भी आएगा, मैं उसको मसलकर रख दूंगा। -
... और शुरूआत तुमसे होगी।
मु मुझसे! मैं तो तुम्हारा साथी हूं .. आ!!!!!!
तुम बहुत कुछ जान गए हो! तुम्हारा काम खत्म हुआ, फरारी।
कालिपा मठ में मैं 'महाऊर्जा कवच' के कारण घुस नहीं सकता था।
इसीलिए मैंने ध्रुव को मारने की आड़ में तुम्हारे आदमियों से हीरा मंगाया! और अब लाल हीरा मुझे ब्रह्मांड का सबसे शक्तिशाली प्राणी बना देगा!
अब चंडकाल अजेय है!
सारे ब्रह्मांड की शैतानी ताकतें अब मेरे वश में हैं!

लाल हीरे की ऊर्जा, निंजा किरीगी को भी राजनगर तक खींच लाई थी।
यह क्या हो रहा है?
आश्चर्य! हवा में से एक गुलाबी नकाबपोश निकल रहा है॥
मेरी बीवी (हिक्) ठीक ही कहती है, कि दारू मत पिया करो (हिक्)!
मैं तो तुरंत चश्मे का नंबर बदलवाने जा रहा हूं।
मेरी योगिक शक्तियां मुझे यहां पर ले आई हैं। यानि लाल हीरा इसी नगरी में है।
अगर मेरी शक्तियां पूरे जोर पर होतीं, तो मैं हीरे का पता पलभर में लगा लेता।
पर अब मुझे दूसरा रास्ता अपनाना होगा।
मुझे हीरे के चोर 'ध्रुव' को ढूंढना होगा।
तुम ध्रुव हो?
न नहीं! छोड़ दो मुझे। कसम से, अब मैं दारू कभी नहीं पिऊंगा।
बता, ध्रुव मुझे कहां पर मिलेगा?
ऐ मिस्टर! यह झगड़ा क्यों कर रहे हो?
कौन हो तुम? अपना चेहरा मुझे दिखाओ!
मुझे और क्रोध मत दिलाओ!
मुझे ध्रुव चाहिए!

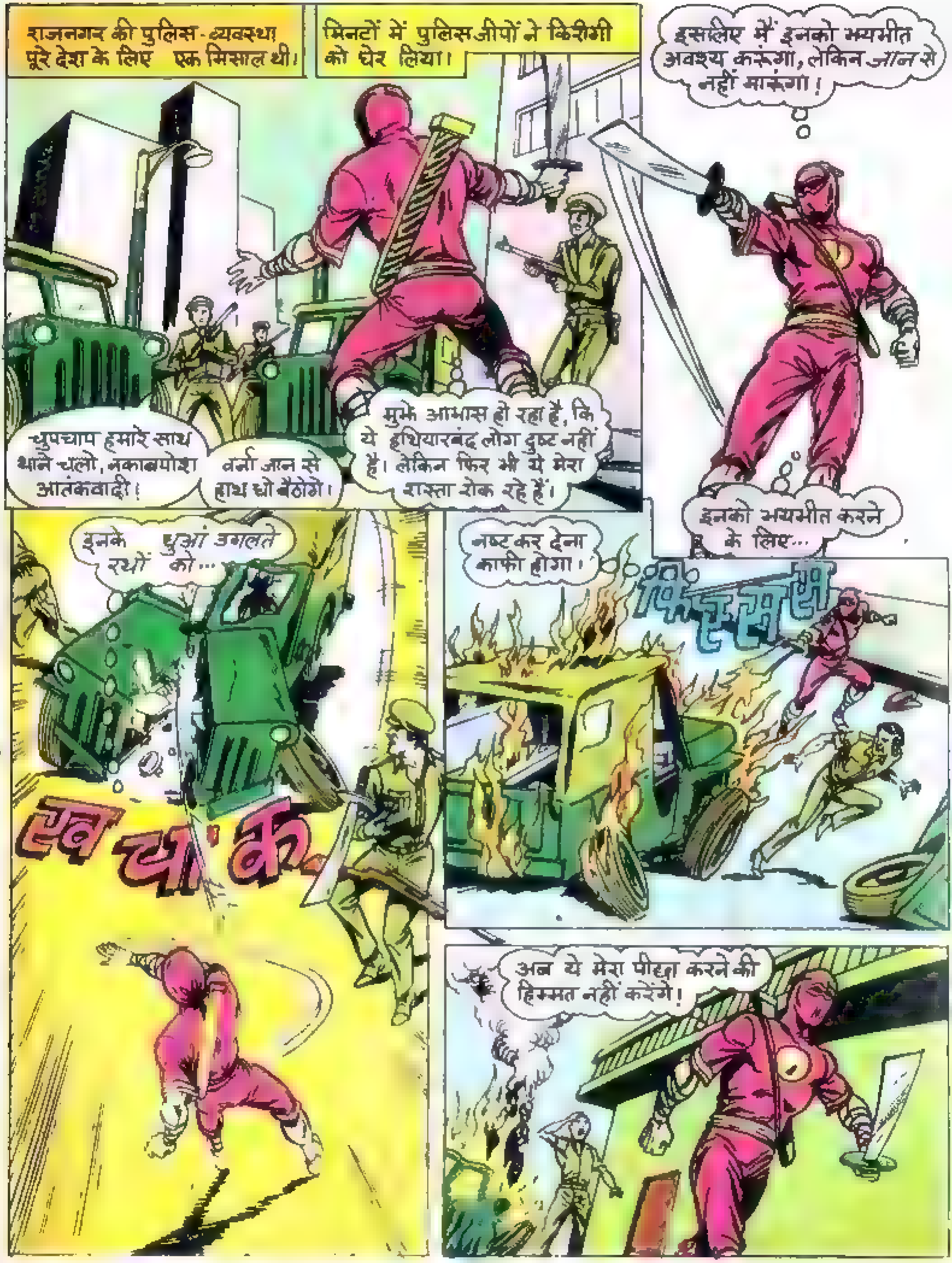
राजनगर की पुलिस-व्यवस्था पूरे देश के लिए एक मिसाल थी।
मिनटों में पुलिस जीपों ने किरीगी को घेर लिया।
चुपचाप हमारे साथ थाने चलो, नकाबपोश आतंकवादी!
वर्ना जान से हाथ धो बैठोगे।
मुझे आभास हो रहा है, कि ये हथियारबंद लोग दुष्ट नहीं हैं। लेकिन फिर भी ये मेरा रास्ता रोक रहे हैं।
इसलिए मैं इनको भयभीत अवश्य करूंगा, लेकिन जान से नहीं मारूंगा!
इनको भयभीत करने के लिए...
इनके धुआं उगलते रथों को...
खचाक
नष्ट कर देना काफी होगा।
अब ये मेरा पीछा करने की हिम्मत नहीं करेंगे!

और मैं आराम से ध्रुव को ढूंढ़ सकूं...!
?
मेरा रास्ता छोड़ दे, बालक! क्यों मेरे हाथ से मरना चाहता है?
मैं म तो नहीं चाहता, पर तुम मुझे मारना जरूर चाहते हो! मेरा नाम ध्रुव है!
पर तुम कौन हो?
ध्रुव ने किरीगी के बारे में सिर्फ सुना ही था। उसको देख नहीं पाया था।
इसीलिए पहचानने का सवाल ही नहीं था।
तू ध्रुव है? बता सां-सुग का लाल हीरा कहां है?
इसने तो एक हल्के से वार से ही मेरी मोटरसाइकल को आलू की तरह काट डाला।
और यह लाल हीरे के बारे में भी पूछ रहा है।
यह सिर्फ एक ही आदमी हो सकता है। निंजा किरीगी!
पर यह ये क्यों समझ रहा है कि मुझे लाल हीरे के बारे में कुछ पता है?
और किसी गुप्त स्थान पर-
वाह! किरीगी आखिरकार राजनगर आ ही पहुंचा है, और ध्रुव से उलझ गया है।

अब मुझे अपनी साधना पूरी करने के लिए सिर्फ निजा किरीगी का सैकड़ों वर्ष वाली उम्र वाला शरीर चाहिए। और इसके बाद चंडकाल पृथ्वी पर ही नहीं, सैकड़ों अन्य ग्रहों पर भी राज्य करेगा।
अब जरा आगे का तमाशा भी देख लूं!
अभी मैं तुम्हारे साथ सिर्फ खेल कर रहा हूं, दुष्ट!...
ओफ़! हवा का तेज बवंडर!
...पर अगर तुमने मुझे जल्दी ही लाल हीरे के बारे में नहीं बताया, तो मैं तुमको खत्म भी कर दूंगा।
अब आग की गर्म लपट!
किरीगी मजाक नहीं कर रहा है!
यह मुझे सचमुच मार डालने पर उतारू है।
पर मैं हीरे के बारे में कुछ नहीं जानता!
झूठ मत बोल!
यह मेरी बात को सुनने के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं है।
इसीलिए मुझे इसको अपनी बात सुनने के लिए मजबूर करना पड़ेगा।
सबसे पहले मुझे इसका चमत्कारी खड्ग इससे अलग करना पड़ेगा।
और उसके लिए किरीगी का ध्यान बंटाना पड़ेगा!
चिं चीं चीं ची चींच।
ध्रुव चहचहाया ..
...और जवाब तुरंत आया।
अपने सैकड़ों वर्ष के जीवन में भी किरीगी का सामना ऐसे दुश्मन से कभी नहीं हुआ था।
हड़बड़ाहट में वह असावधान हो गया।

और ध्रुव ने खड्ग को किरीगी से अलग कर दिया।
तड़ाक
और साथ ही साथ - ध्रुव की एक जबर्दस्त किक निंजा के शरीर पर आ पड़ी।
धाड़
परंतु-
आइ! लगता है जैसे कि मैंने पैर किसी पत्थर पर दे मारा हो।
तुझमें कमाल का साहस है, लड़के!
वर्ना मुझपर हमला करने का साहस तो राक्षसों में भी नहीं था।
अब मैं तुझे लाल हीरे का पता बताने के लिए दस क्षणों का समय देता हूं!
दस क्षणों बाद योगिक शिकंजा तेरे प्राण ले लेगा!
इसकी योगिक शक्तियों का तो कोई अंत ही नहीं है!
निंजा बहुत शक्तिशाली है। इसको हराने के लिए मुझे अपना सारा दिमाग लगाना होगा!
इसकी सारी शक्तियां, 'योग' से पाई गई शक्तियां हैं। और योग का दुश्मन होता है, नशा!
और निंजा को नशा कराने के लिए मेरी बेल्ट में एक बहुत अच्छी चीज है! नर्व गैस का कैप्सूल।
कैप्सूल के फूटते ही 'नर्व गैस' ने निंजा को ढंक लिया।
निंजा ने ऐसी गैस पहले कभी नहीं सूंघी थी।
और वैसे भी, वह सदियों से हिमालय के प्रदूषणरहित वातावरण में रह रहा था। उसपर गैस का असर तुरंत हुआ।

अब इससे पहले कि निंजा होश में आए, मैं इसको लोहे की मजबूत 'स्टार-लाइन' से बांध
आश्चर्य! ध्रुव ने अपने दिमाग से निंजा को हरा दिया। चलो, मेरा एक काम तो इसी ने कर दिया।
अब मुझे ध्रुव को खत्म करने, और निंजा को उठाकर यहां लाने के लिए अपने सेवक को भेज देना चाहिए।
जुम्बी!
और लगभग तुरंत ही-
ध्रुव की आंखों के आगे एक तेज रोशनी चमकी। अब ध्रुव की आंखें देख सकने योग्य हुई-
तो उसके सामने नर्क का एक प्राणी खड़ा था।
बाप नहीं, यह मेरा सेवक है; जुम्बी। इसके शरीर में सब कुछ है। सिवा जान के। यह पूरी तरह से मेरे मानसिक नियंत्रण में है। और इसको सबसे पहला आदेश है; ध्रुव की मौत!
पर तभी
तुम पीछे हट जाओ, ध्रुव! इस आफत से मैं निपट लूंगा।
ओह नो!
यह तो चंडकाल का भी बाप लग रहा है।
हे भगवान! चंडकाल तो मुझे सांस लेने का मौका भी नहीं दे रहा है! अब इस आफत से मैं कैसे निपटूंगा?
जिंगालू! तुम यहां मर कैसे?
बाद में बताऊंगा! लंबी कहानी है!

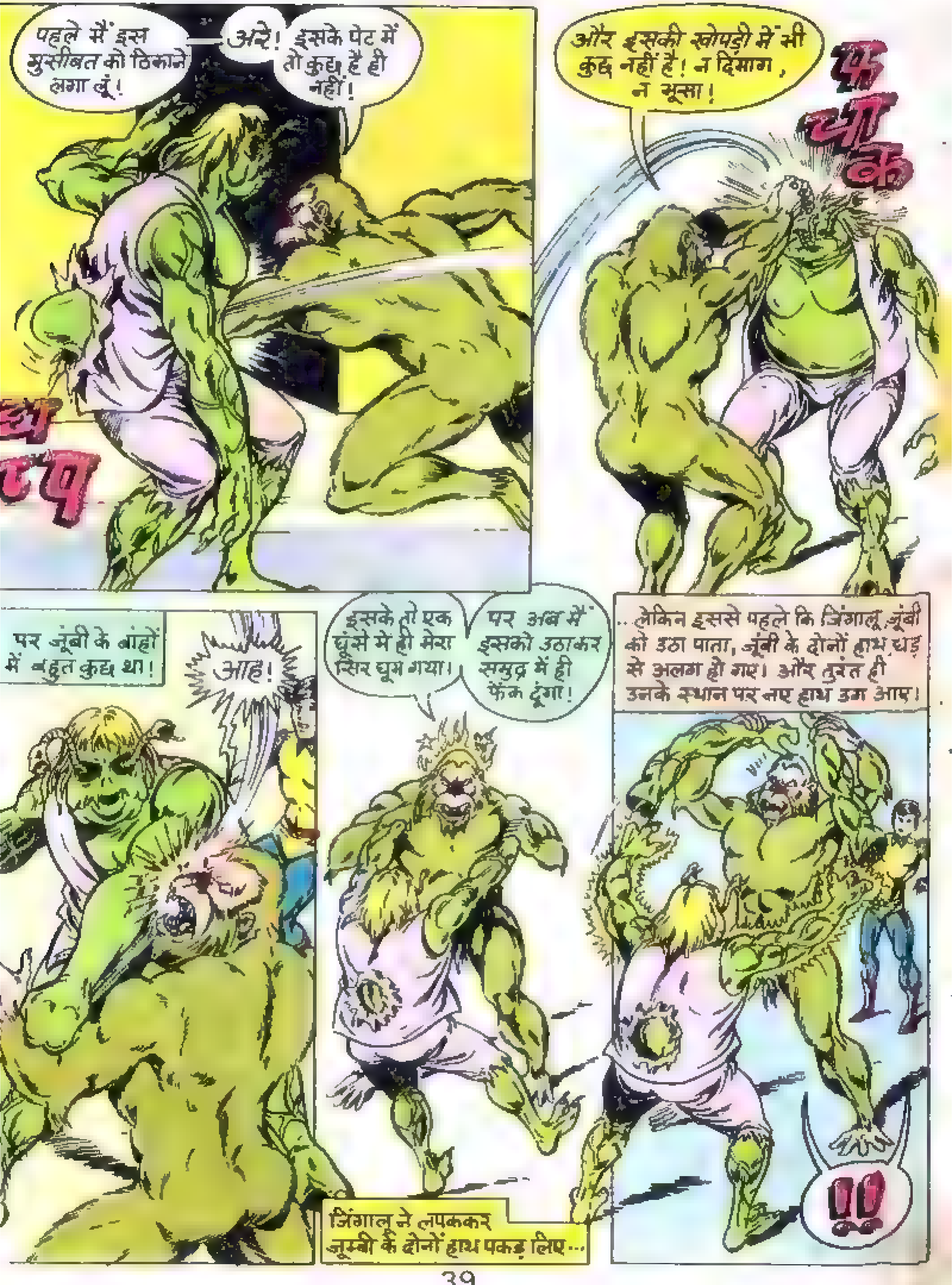
पहले मैं इस मुसीबत को ठिकाने लगा दूं!
अरे! इसके पेट में तो कुछ है ही नहीं!
और इसकी खोपड़ी में भी कुछ नहीं है! न दिमाग, न भूसा!
फचाक
पर जूंबी के बांहों में बहुत कुछ था!
आह!
इसके तो एक घूंसे में ही मेरा सिर घूम गया।
पर अब मैं इसको उठाकर समुद्र में ही फेंक दूंगा!
झिंगालू ने लपककर जूम्बी के दोनों हाथ पकड़ लिए...
...लेकिन इससे पहले कि झिंगालू जूंबी को उठा पाता, जूंबी के दोनों हाथ धड़ से अलग हो गए। और तुरंत ही उनके स्थान पर नए हाथ उग आए।
!!

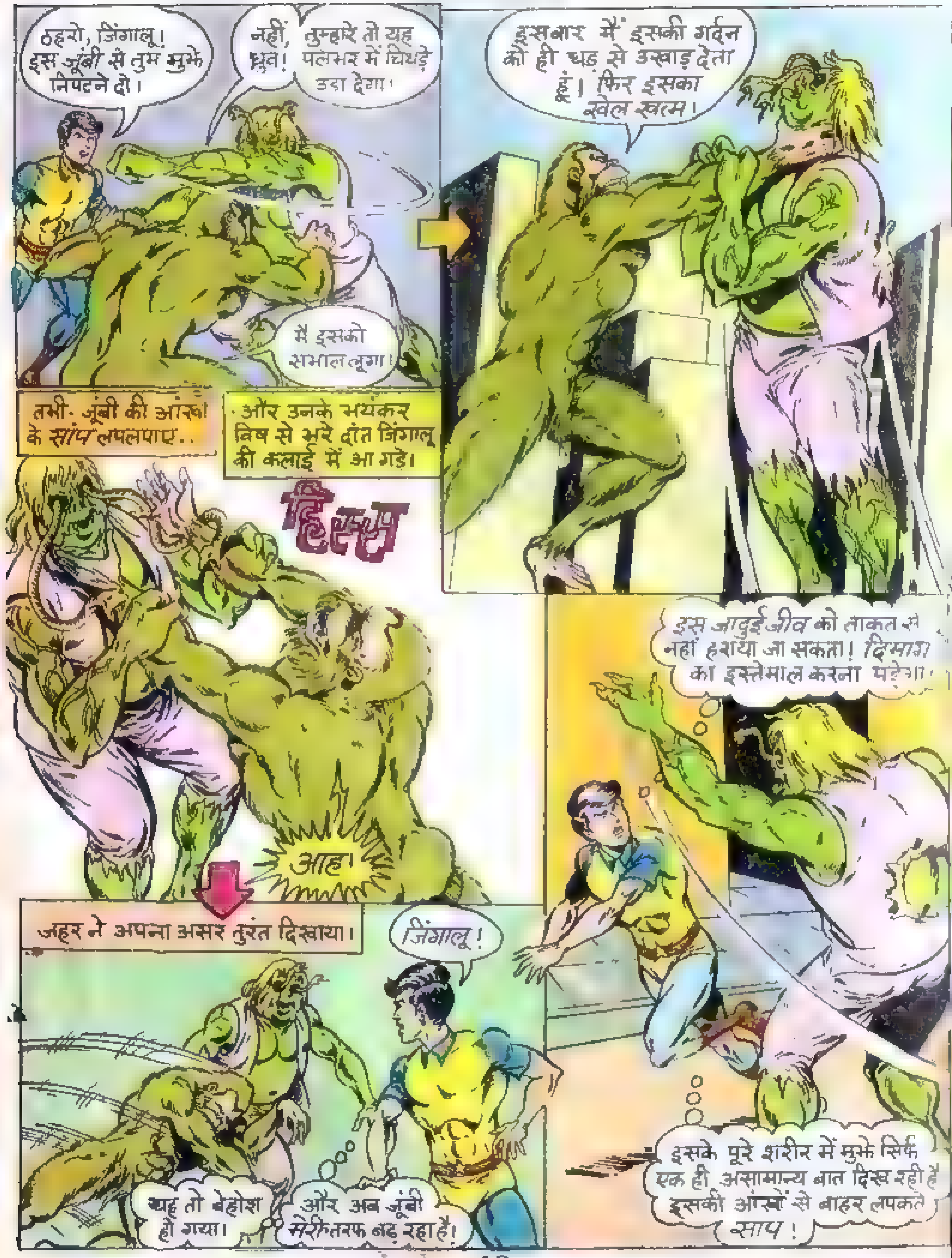
ठहरो, जिंगालू! इस जूंबी से तुम मुझे निपटने दो।
नहीं, ध्रुव!
तुम्हारे तो यह पलभर में चिथड़े उड़ा देगा।
मैं इसको संभाल लूंगा।
इसबार मैं इसकी गर्दन को ही धड़ से उखाड़ देता हूं। फिर इसका खेल खत्म।
तभी- जूंबी की आंखों के सांप लपलपाए..
और उनके भयंकर विष से भरे दांत जिंगालू की कलाई में आ गड़े।
हिस्स
आह!
इस जादुई जीव को ताकत से नहीं हराया जा सकता! दिमाग का इस्तेमाल करना पड़ेगा।
जहर ने अपना असर तुरंत दिखाया।
जिंगालू!
यह तो बेहोश हो गया।
और अब जूंबी मेरी तरफ बढ़ रहा है!
इसके पूरे शरीर में मुझे सिर्फ एक ही असामान्य बात दिख रही है इसकी आंखों से बाहर लपकते सांप!

चंडकाल ने कहा था कि वह जूंबी को अपनी मानसिक तरंगों से कंट्रोल कर रहा है।
और शायद ये सांप उन तरंगों को ग्रहण करने के लिए एंटीना का काम कर रहे हैं।
इनको नष्ट करना होगा।
और इसके लिए सबसे पहला काम इसको असंतुलित करके नीचे गिराना है।
टेढ़े-मेढ़े तरीके से भागते ध्रुव को पकड़ने के चक्कर में—
धड़ाम
जूंबी असंतुलित होकर सचमुच नीचे आ गिरा।
अब सांपों की बारी है। मुझे बहुत सतर्क रहना पड़ेगा।
ये सांप, भयंकर विषयुक्त हैं।
दोनों सांप ध्रुव की तरफ लपके...
...पर ध्रुव ने अमानवीय फुर्ती दिखाते हुए उनकी गर्दनों को अपनी फौलादी गिरफ्त में ले लिया।
और एक तेज झटके से सांप, जूंबी के जिस्म से अलग हो गए।
चटाक

हमेशा की तरह ध्रुव का सोचना सही था।
सांपों से अलग होते ही जूंबी का संपर्क चंडकाल से टूट गया। और बिना दिमाग का जूम्बी पागलों की तरह इधर-उधर घूमने लगा।
कौड़ी बहुत दूर की थी!
पर मेरा सोचना सही निकला।
जूंबी को मैंने असहाय तो कर दिया है। अब इसे नष्ट करना बाकी है।
ध्रुव ने आश्चर्यजनक ताकत दिखाते हुए मोटरसाइकल का पेट्रोल टैंक उखाड़ लिया।
धनंजय अब तक आया क्यों नहीं?
कड़मच
अब एक चिंगारी ही काम करने को बहुत थी।
यह क्या हो रहा है?
मैं बेहोश कैसे हो गया था?
और मुझे बांधा किसने?
और एक छपाके से जूंबी पेट्रोल में नहा गया।
छपाक
पर ध्रुव के लिए यह मुसीबतों का अंत नहीं था। जिंगालू के बदन में विष फैल रहा था।
धनंजय अबतक नहीं आ पाया था। और निंजा फिरंगी वापस होश में आ गया था।
ओह! अब तो तू ही रक्षा करना, भगवान!

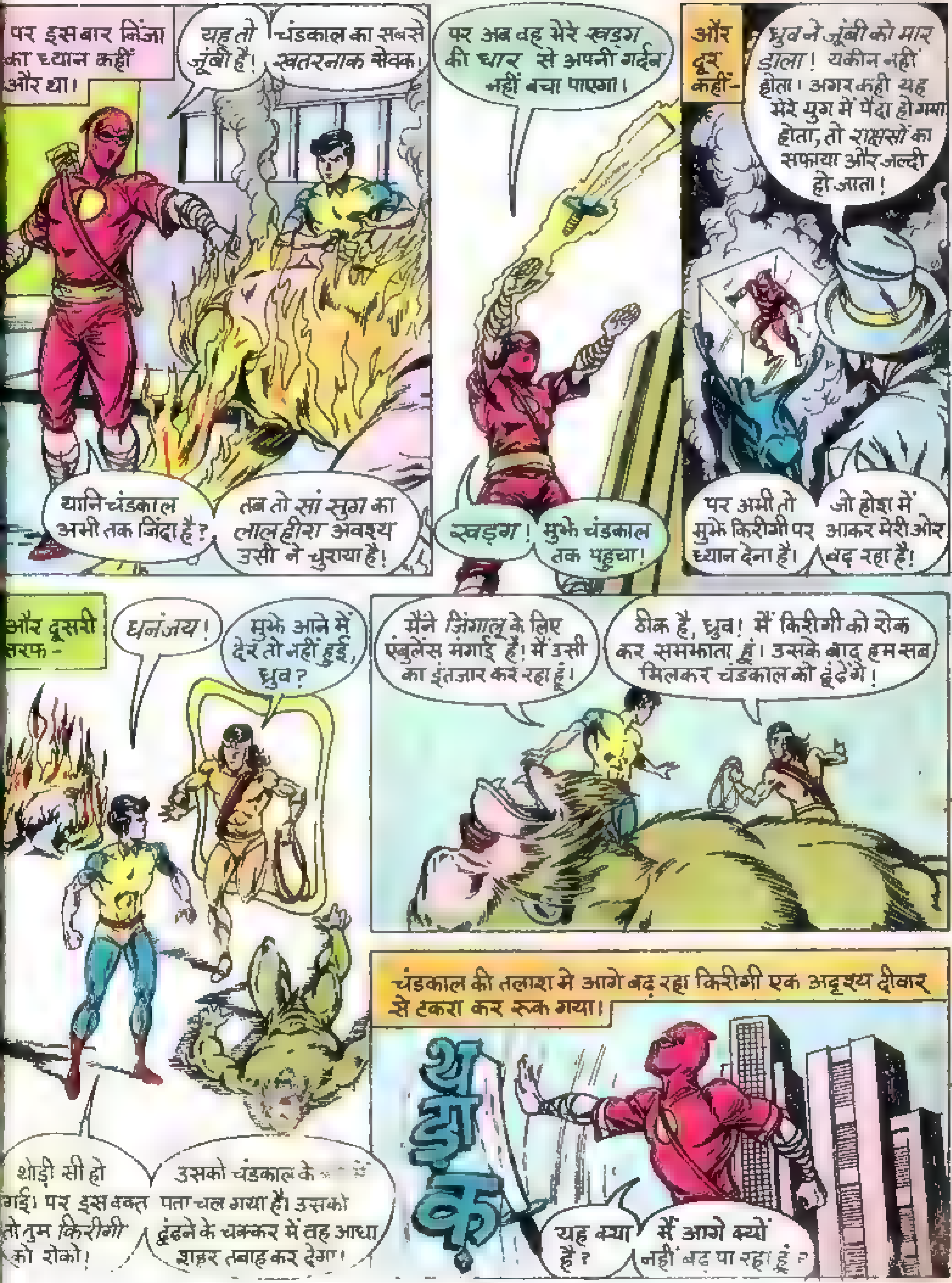
पर इस बार निंजा का ध्यान कहीं और था।
यह तो जूंबी है!
चंडकाल का सबसे खतरनाक सेवक।
यानि चंडकाल अभी तक जिंदा है?
तब तो सांसुग का लाल हीरा अवश्य उसी ने चुराया है!
पर अब वह मेरे खड्ग की धार से अपनी गर्दन नहीं बचा पाएगा।
खड्ग!
मुझे चंडकाल तक पहुंचा!
और दूर कहीं-
ध्रुव ने जूंबी को मार डाला! यकीन नहीं होता। अगर कहीं यह मेरे युग में पैदा हो गया होता, तो राक्षसों का सफाया और जल्दी हो जाता!
पर अभी तो मुझे किरीगी पर ध्यान देना है।
जो होश में आकर मेरी ओर बढ़ रहा है!
और दूसरी तरफ -
धनंजय!
मुझे आने में देर तो नहीं हुई, ध्रुव?
थोड़ी सी हो गई। पर इस वक्त तो तुम किरीगी को रोको!
उसको चंडकाल के
पता चल गया है। उसको ढूंढने के चक्कर में वह आधा शहर तबाह कर देगा।
मैंने ज़िंगालू के लिए एंबुलेंस मंगाई है! मैं उसी का इंतजार कर रहा हूं।
ठीक है, ध्रुव! मैं किरीगी को रोक कर समझाता हूं। उसके बाद हम सब मिलकर चंडकाल को ढूंढेंगे।
चंडकाल की तलाश में आगे बढ़ रहा किरीगी एक अदृश्य दीवार से टकरा कर रुक गया।
थड़क
यह क्या है?
मैं आगे क्यों नहीं बढ़ पा रहा हूं?

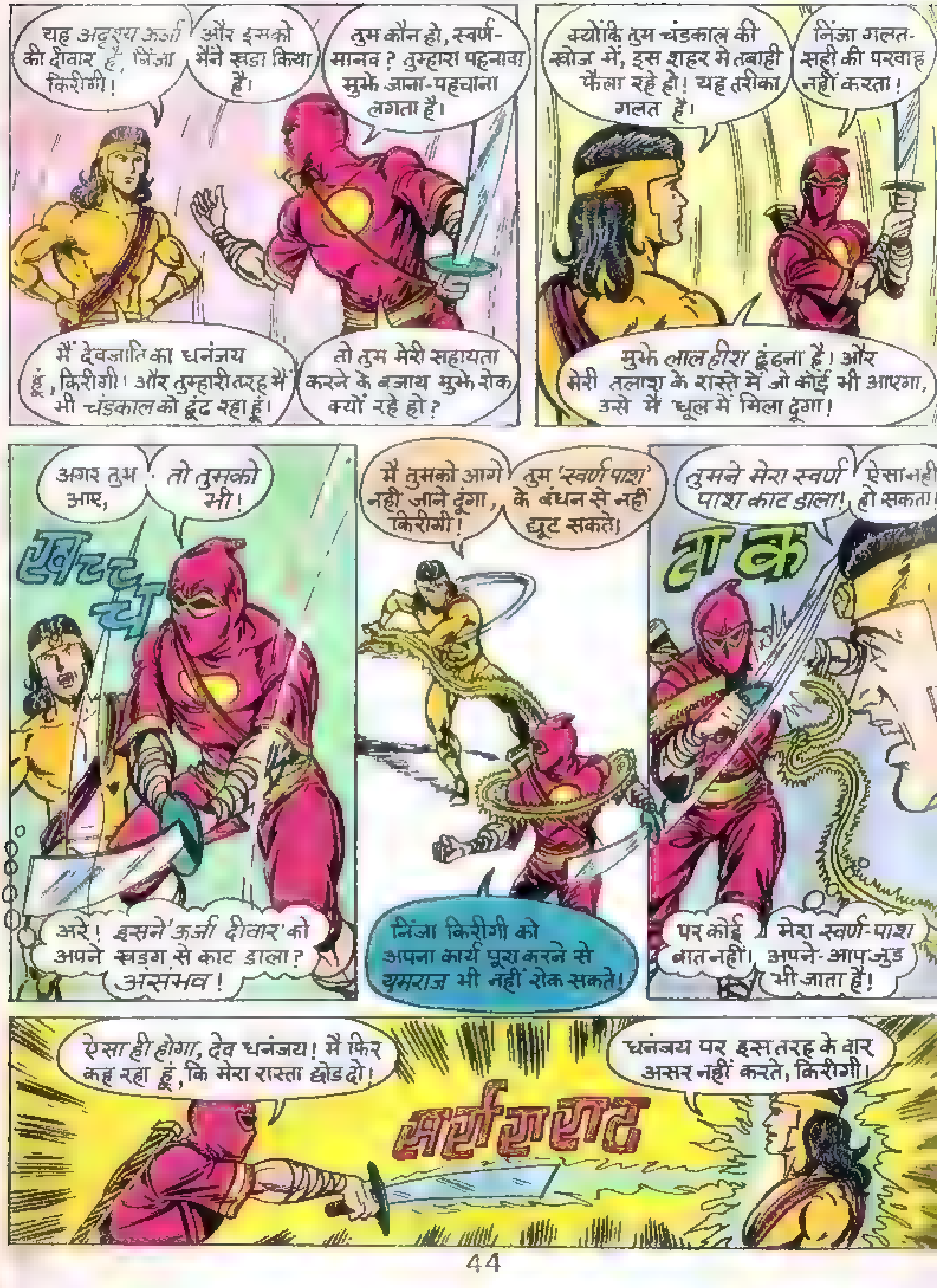
यह अदृश्य ऊर्जा की दीवार है, निंजा किरीगी!
और इसको मैंने खड़ा किया है।
तुम कौन हो, स्वर्ण-मानव? तुम्हारा पहनावा मुझे जाना-पहचाना लगता है।
मैं देवजाति का धनंजय हूं, किरीगी। और तुम्हारी तरह मैं भी चंडकाल को ढूंढ रहा हूं।
तो तुम मेरी सहायता करने के बजाय मुझे रोक क्यों रहे हो?
क्योंकि तुम चंडकाल की खोज में, इस शहर में तबाही फैला रहे हो! यह तरीका गलत है।
निंजा गलत-सही की परवाह नहीं करता।
मुझे लाल हीरा ढूंढना है। और मेरी तलाश के रास्ते में जो कोई भी आएगा, उसे मैं धूल में मिला दूंगा!
अगर तुम आए,
तो तुमको भी!
अरे! इसने 'ऊर्जा दीवार' को अपने खड्ग से काट डाला? असंभव!
मैं तुमको आगे नहीं जाने दूंगा, किरीगी!
तुम 'स्वर्ण पाश' के बंधन से नहीं छूट सकते।
निंजा किरीगी को अपना कार्य पूरा करने से यमराज भी नहीं रोक सकते!
तुमने मेरा स्वर्ण पाश काट डाला!
ऐसा नहीं हो सकता!
टाक
पर कोई बात नहीं।
मेरा स्वर्ण-पाश अपने-आप जुड़ भी जाता है!
ऐसा ही होगा, देव धनंजय! मैं फिर कह रहा हूं, कि मेरा रास्ता छोड़ दो!
धनंजय पर इस तरह के वार असर नहीं करते, किरीगी।

तो मेरे योगिक हथौड़े का वार झेलो, देव!
यह तुमको एक ही वार में कुचल देगा!
यह मेरे रक्षा कवच के पार नहीं आ सकता, किरीगी!
मेरे कवच को कोई भी हथियार भेद नहीं सकता!
धाड़
तू सचमुच बहुत शक्तिशाली है, धनंजय।
इसीलिए अब मैं तुझपर अपना सबसे भीषण वार करूंगा।
पर तुम्हारा खड्ग भी मेरे कवच के पार नहीं..
आर्र्रह!
लेकिन खड्ग के स्पर्श से ही धनंजय को योगिक ऊर्जा का एक भयंकर झटका लगा।
और कुछ देर के लिए धनंजय अपने होश खो बैठा।
अब किरीगी को रोकने वाला कोई नहीं बचा।
चल मेरे, खड्ग!
हमारी किसी भी दवाई का असर नहीं हो रहा है, ध्रुव! ऐसा जहर तो मैं पहली बार देख रहा हूं।
तो क्या जिंगालू नहीं बच पाएगा?
घबराओ मत, ध्रुव! इसका इलाज मैं करूंगा।
इसको हुआ क्या है?
इसको चंडकाल के सेवक, जूंबी, की आंखों से निकलते जहरीले सांपों ने काट लिया है।
तब तो तुम्हारा विज्ञान कुछ नहीं कर सकता है।
पर भाग्य से, मेरे पास इसका इलाज है!
अब देखते ही देखते जहर का असर उतर जाएगा!

पल भर बाद –
मुझे क्या हो गया था? जूंबी कहां गया?
शांत हो जाओ, जिंगालू। ध्रुव ने जूंबी को खत्म कर दिया है। पर मैं किरीगी को रोक नहीं पाया।
किरीगी बहुत शक्तिशाली है।
उसको रोकने के लिए हमें अपनी सम्मिलित शक्ति लगानी होगी।
और दूर कहीं–
ओह! अगर ये तीनों किरीगी के साथ मिल गए, तो मेरे लिए किरीगी के शरीर को प्राप्त करना असम्भव हो जाएगा।
मुझे इन तीनों को एक साथ अपने रास्ते से हटाना होगा।
चक्रवात!
और अगले ही पल –
हवा एकदम से तेज कैसे हो गई?
आंधी आ रही है क्या?
नहीं, जिंगालू! ...
यह चक्रवात है! भीषण बवंडर! और यह हमको उड़ाकर ले जा रहा है!
कुछ करो, धनंजय!
मेरा सिर घूम रहा है, ध्रुव!
मैं अपनी शक्तियों को केंद्रित नहीं कर पा रहा हूं!
मुझे चक्कर आ रहे हैं!
मुझपर बेहोशी छा रही है।
जल्दी ही–
तीनों अपने होश खो बैठे।

और जब उन को होश आया।
अरे! यह तो कोई नई जगह लगती है।
यह जरूर चंडकाल का ही काम है। लाल हीरा पाकर उसकी जादुई शक्तियां बहुत बढ़ गई हैं।
पर मेरे 'ऊर्जा द्वार' के लिए इनको वापस राजनगर पहुंचा देना मामूली काम है।
पर मैं ऐसा नहीं होने दूंगा!
चंडकाल? चंडकाल! तुम हमें रोक नहीं सकते!
अब तुम अपने-आप को ही रोकोगे, वीर धनंजय! हा हा हा हा हा!
इसका चेहरा गायब हो रहा है!
अपने आप को रोकने का क्या मतलब है?
धनंजय! उधर देखो!
पानी में से कुछ आकृतियां निकल रही हैं!
छपाक्क हप-हप
पर... पर... यह तो हमारे ही प्रतिरूप हैं!
लेकिन क्रूर, खूंखार और खतरनाक।
और शायद... हत्यारे भी!
चंडकाल के पैदा किए हुए हत्यारे!

दूसरी तरफ-
किरीगी का कहर राजनगर पर बरस रहा था।
यही है वह आफत का परकाला, सर।
इस पर एक 'वार्निंग शॉट' दागो।
गोला दगा। पर निशाना सीधा किरीगी के शरीर पर जा लगा।
बड़ाम
मैंने 'वार्निंग शॉट' दागने को कहा था, मूर्ख! इस पर निशाना साधने के लिए नहीं!
सॉरी, सर। इसको देखकर मेरा हाथ डर के मारे कांप गया।
पर पर इसको तो कुछ भी नहीं हुआ, सर
इंपासिबिल।
अगले ही पल- क्रोधित किरीगी का खड्ग दहक उठा।
धड़ाम
कड़क
और टैंक के टुकड़े हवा में उड़ने लगे।
ये मूर्ख मेरा बहुमूल्य समय बरबाद कर रहे हैं।
मुझे अपनी यौगिक शक्ति का प्रयोग करके इन सब को यहां से दूर भेज देना चाहिए।
किरीगी ने अपना ध्यान केंद्रित किया।
और अगले ही पल- आसपास का पूरा इलाका खाली हो गया।
शाबास, किरीगी!
तुमने पिछले कुछ सौ सालों में महान यौगिक शक्तियां प्राप्त कर ली हैं

चंडकाल! हम फिर मिल ही गए।
मुझे सांसुग का लाल हीरा वापस चाहिए।
और मुझे तुम्हारा शरीर चाहिए। तुम्हारी जान के बगैर।
CONSTRUCTION SITE for NAVODAY APARTMENT
दो खतरनाक शक्तियों के बीच एक भीषण टकराव शुरू होने ही वाला था।
पर वहां से कहीं दूर - एक जीने-मरने का जबर्दस्त संघर्ष पहले ही चल रहा था।
लगता है, जैसे कि मैं अपने-आप से ही लड़ रहा हूं।
चंडकाल के बनाए प्रतिरूप सिर्फ शक्ल में ही नहीं, ताकत में भी हमारे जैसे ही हैं।
यह अपनी ताकत का जानलेवा प्रयोग कर रहा है।
इसमें शक्ति तो मेरे बराबर ही है।
परंतु इसके नुकीले नाखूनों और जुनून ने इसकी शक्ति को बढ़ा दिया है।
मेरे प्रतिरूप के पास मेरे जैसी ही शक्तियां और स्वर्ण पाश है!
पर ये उन शक्तियों का वह घातक प्रयोग कर रहा है, जिसका मैं आदी नहीं हूं।

यह तो मेरी आंखें नोचने के लिए बेताब हो रहा है।
और अगर इसके पैने पंजे मेरी आंखों से छू भी गए, तो मुझे अंधा होते देर नहीं लगेगी।
जिंगालू ने तेजी से अपने सिर को बढ़ते पंजे के रास्ते से हटाया।
और इसके दुश्मन के पंजे मिट्टी में जा धंसे।
फचाक!
अब यह कुछ क्षणों के लिए मेरा पीछा छोड़ देगा।
ओह! ध्रुव का प्रतिद्वंदी उसपर भारी पड़ रहा है!
इसको तो मैं अभी मसल देता हूं।
आऽऽऽऊ!
धाड़
धन्यवाद, जिंगालू!
तभी जिंगालू का प्रतिरूप, पीछे से अपने असावधान दुश्मन पर लपका।
ओह! अब तो जिंगालू को सावधान करने का भी समय नहीं है।
ध्रुव तुरंत आगे लपका।

और-
धड़ाक
ओह! धन्यवाद वापस ले लो, ध्रुव! अगर तुम इसको न रोकते तो यह मेरी पीठ के चिथड़े कर देता।
इसने होश में आने पर, सिर्फ तुम पर ही हमला किया, जिंगालू!
मेरी ओर देखा तक नहीं।
वह तो होगा ही! क्योंकि चंडकाल ने मेरे प्रतिरूप को मुझसे ही लड़ने के लिए पैदा किया है।
और तुम्हारे प्रतिरूप को तुमसे लड़ने के लिए।
मेरा ख्याल भी यही है। और इससे मुझे एक आइडिया आया है।
अगर हमारे प्रतिरूपों के प्रतिद्वंद्वी बदल दिए जाएं, तो ये भ्रम में पड़ जाएंगे।
और तब इन पर काबू पाना आसान हो जाएगा।
कमाल की योजना है, ध्रुव। तुम मेरे प्रतिरूप से निपटो और मैं धनंजय के प्रतिरूप से।
धनंजय तुम्हारे प्रतिरूप से निपट लेगा।
अगले ही पल — धनंजय के प्रतिरूप की पीठ पर एक जबर्दस्त लात पड़ी।
मैं इससे निपटता हूं, धनंजय। तुम ध्रुव के प्रतिरूप को संभालो।
यह ध्रुव की योजना है।
अगर यह ध्रुव की योजना है, तो फिर मुझे और कुछ नहीं पूछना।

परंतु इसपर भी काबू पाना आसान नहीं होगा।
क्योंकि यह ध्रुव का प्रतिरूप है। और ध्रुव मुझको एक बार पहले मात दे चुका है। ☆
सबसे खतरनाक मुकाबला ध्रुव और जिंगालू के डुप्लीकेट के बीच में था। क्योंकि दोनों की ताकत में अंतर बहुत ज्यादा था।
ओह! एकदम से मुझे अपना आइडिया बहुत खराब लग रहा है।
अब तक मैं 'जुपिटर सर्कस' में सीखी गई सभी कलाबाजियों का इस्तेमाल कर चुका हूं!
पर अब... आऊऊऊ!!
हे भगवान! अगर मुझे इसका घूंसा जरा सा भी और जोर से लगा होता, तो मैं सैकड़ों मीटर नीचे की घाटी में होता!
विचित्र स्थान है! इधर सागर, उधर घाटी!
पर इस घाटी ने मुझको बचने का रास्ता सुझा दिया है।
सबसे पहले वह इंतजाम करना पड़ेगा, कि यह जादुई मूर्ख यह न देख सके कि यह कहां जा रहा है।
और यह काम 'आक' पौधे के फल करेंगे।
जिन का रस, आंखों में जाते ही तेज जलन पैदा करता है।
और आंखें फोड़ भी देता है।

विषाक्त रस की तेज धारें अपने निशाने पर जा लगीं। और एक तेज चीख से वातावरण गूंज उठा।
अब यह गुस्से में भरकर मेरी तरफ लपकेगा।
इधर! इधर!!
मैं इधर हूं, यहां पर!
और अब इसकी थोड़ी सी मदद कर दी जाए।
ताकि यह सीधा घाटी में ही गिरे।
उम्मीद है कि यह जिंगालू की तरह उड़ नहीं पाता होगा।
ध्रुव का ख्याल, हमेशा की ही तरह एक बार फिर सही था।
चूंकि 'उड़ पाना' जिंगालू की सामान्य शक्ति नहीं थी, इसीलिए चंडकाल उसकी नकल नहीं बना पाया था।
दुश्मन नंबर एक खत्म!

इसी दौरान—
यह मुझे सामने पाकर सचमुच भ्रम में पड़ गया है।
अब मुझे इस मौके का फायदा उठाना चाहिए।
जिंगालू के वज्र जैसे घूंसे जमीन से टकराए।
और पूरी जमीन कांप उठी।
धनंजय का प्रतिरूप भी लड़खड़ा कर नीचे आ गिरा।
और उसी पल- जिंगालू ने एक पेड़ को जमीन से उखाड़ लिया।
मानों भारी पेड़ के एक भीषण धक्के से, प्रतिरूप के सारे हथियार चूर-चूर हो गए।
धड़ाक
लेकिन अभी उसका कंटीला स्वर्ण-पाश उसके पास ही था।
एक ही झटके में उसने जिंगालू के शरीर को अपने घेरे में ले लिया।
ओह! इसने मुझे अपने स्वर्ण पाश में जकड़ लिया है!
मैं अभी एक झटके से पाश को इसके हाथों से छुड़ा देता हूं।
अरे! यह तो गेंद की तरह खिंचता चला जा रहा है!
और मेरे शरीर पर इसका कसाव भी बढ़ रहा है।
और फिर स्वर्ण पाश का कंटीला घेरा छोटा होने लगा।

परन्तु स्वर्ण पाश के खिंचाव ने मुझको वह उपाय सुझा दिया है, जिससे मैं इस खलनायक को मात दे सकता हूं।
इससे पहले कि यह मुझे रुकने का आदेश दे सके, मैं हवा में होऊंगा!
?
और साथ ही साथ यह प्रतिरूप भी!
एक भीषण छलांग के साथ जिंगालू सैकड़ों फीट ऊपर हवा में उछल गया।
स्वर्ण-पाश, 'रबर बैंड' की तरह लंबा खिंचता चला गया।
और फिर -
जिंगालू एकदम से हवा में रुक गया।
रबर बैंड की तरह खिंचा स्वर्ण पाश वापस सिमटने लगा।
धड़ाक
इसके बेहोश होते ही स्वर्ण पाश पर से इस का नियंत्रण खत्म हो गया है!
मैं इससे बाहर निकल सकता हूं!
और धनंजय का प्रतिरूप कई मील प्रति घंटे की रफ्तार से जिंगालू के वज्र जैसे कड़े शरीर से आ टकराया।
नतीजा सिर्फ एक ही हो सकता था।
बेहोशी की दुनिया की सैर!
जिंगालू ने स्वर्ण पाश से प्रतिरूप का पैर बांधकर, उसे फिरकी की तरह हवा में घुमा दिया।
और अब मैं इसको स्वर्ण पाश का एक नया इस्तेमाल दिखाऊंगा!

अब ये कहां जाकर गिरेगा, यह तो मुझे भी पता नहीं!
जवाब था चांद पर!
और इसी बीच- एक और लड़ाई जोर पकड़ रही थी।
ओह! वर्षों से शांति में रहते-रहते हम अपने अस्त्रों का घातक उपयोग करना भूल गए हैं!
और यह दुष्ट उसका पूरा-पूरा फायदा उठा रहा है।
इसने मुझे मेरे ही 'स्वर्ण पाश' में जकड़ दिया है!
और अब यह मुझे गहरी घाटी में गिराना चाहता है!
अब मुझे भी क्रोध आ रहा है!
स्वर्ण पाश अब तक मेरे शरीर के संपर्क में है।
और मैं इसको वह घातक रूप धरने का आदेश देता हूं, जो मैंने आजतक कभी प्रयोग नहीं किया।
अगले ही पल- स्वर्ण-पाश ध्रुव के प्रतिरूप के हाथ से छूट गया।
और उसका दूसरा सिरा हवा में चक्र की शक्ल में घूमने लगा।
और-
खचाक!

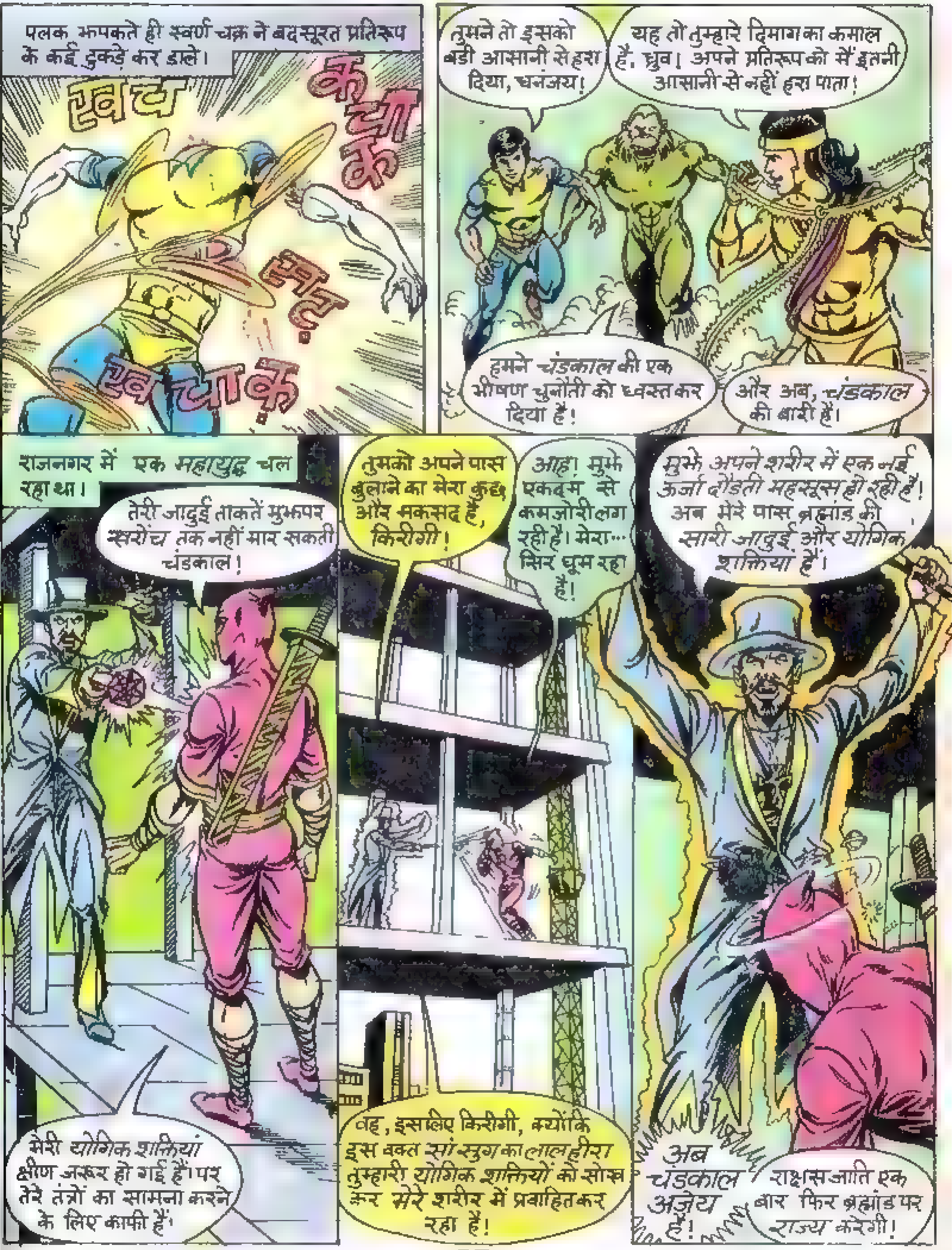
पलक झपकते ही स्वर्ण चक्र ने बदसूरत प्रतिरूप के कई टुकड़े कर डाले।
खच
कचाक
फट
खचाक
तुमने तो इसको बड़ी आसानी से हरा दिया, धनंजय!
यह तो तुम्हारे दिमाग का कमाल है, ध्रुव। अपने प्रतिरूप को मैं इतनी आसानी से नहीं हरा पाता!
हमने चंडकाल की एक भीषण चुनौती को ध्वस्त कर दिया है!
और अब, चंडकाल की बारी है।
राजनगर में एक महायुद्ध चल रहा था।
तेरी जादुई ताकतें मुझपर खरोंच तक नहीं मार सकतीं चंडकाल!
मेरी योगिक शक्तियां क्षीण जरूर हो गई हैं पर तेरे तंत्रों का सामना करने के लिए काफी हैं।
तुमको अपने पास बुलाने का मेरा कुछ और मकसद है, किरीगी!
आह! मुझे एकदम से कमजोरी लग रही है। मेरा... सिर घूम रहा है!
वह, इसलिए किरीगी, क्योंकि इस वक्त सां-सुग का लाल हीरा तुम्हारी योगिक शक्तियों को सोख कर मेरे शरीर में प्रवाहित कर रहा है!
मुझे अपने शरीर में एक नई ऊर्जा दौड़ती महसूस हो रही है! अब मेरे पास ब्रह्मांड की सारी जादुई और योगिक शक्तियां हैं।
अब चंडकाल अजेय है!
राक्षस जाति एक बार फिर ब्रह्मांड पर राज्य करेगी!

इसी वक्त- ध्रुव, धनंजय और जिंगालू घटनास्थल पर पहुंचे।
हे ईश्वर! चंडकाल ने किरीगी की सारी यौगिक शक्तियों को अपने शरीर में सोख लिया है!
अब 'स्वर्ण-नगरी' तो क्या, पूरा ब्रह्मांड मिलकर भी इसका मुकाबला नहीं कर सकता।
क्या इसको रोकने का कोई उपाय नहीं है, धनंजय?
अगर चंडकाल के हाथ से लाल हीरे वाला मंत्रदण्ड निकल जाए, तो मैं कुछ कोशिश कर सकता हूं।
तुम दोनों यहीं रुककर चंडकाल पर निगाह रखो।
मैं अभी आया।
अपना प्लान मैं आने के बाद समझाऊंगा।
पर अब जिसका सामना पूरा ब्रह्मांड भी नहीं कर सकता,-
उसका मुकाबला ध्रुव कैसे करेगा?
ध्रुव के पास जो विलक्षण दिमाग और जबर्दस्त इच्छा शक्ति है, उसके सामने बड़ी से बड़ी ताकतें भी बेकार हैं, जिंगालू!
मुझे पूरा यकीन है कि ध्रुव के पास कोई न कोई योजना तैयार है।
चंडकाल अब तक इन तीनों को देख नहीं पाया था।
किरीगी की शक्तियां तो मुझे मिल गईं। अब मैं इसका शरीर अपने साथ ले जाकर अपनी 'शक्ति साधना' की तैयारी कर लूं।
मेरे रहते तुम किरीगी को हाथ भी नहीं लगा सकते, चंडकाल!
धनंजय! तू जिंदा बच गया? कैसे?
पर कोई बात नहीं। अब मेरे पास इतनी शक्तियां हैं, कि मैं पूरी देवजाति को मसल सकता हूं।

तुम बहुत गर्मी में आ गए हो, चंडकाल!
मैं तुमको जरा सा ठंडा कर दूं।
धनंजय ने शीत किरणों की मदद से चंडकाल को बर्फ में ढंक दिया।
चच्चच्! ऐसे खेल तो मैं बचपन में खेला करता था! एक मामूली से मंत्र से मैं गर्मी पैदा कर दूंगा, और तुम्हारी बर्फ उड़न छू हो जाएगी!
यह तो शुरूआत थी, चंडकाल!
मेरा मकसद तो तुमको स्वर्ण पाश में जकड़ना है।...
...जिसकी पकड़ से कोई छूट नहीं सकता!
तो तुम आज यह दुर्लभ दृश्य भी देख लो, धनंजय!
आश्चर्य! इसने मेरे स्वर्ण-पाश को कच्चे सूत की तरह तोड़ डाला!!
और अब यह, हमेशा की तरह, वापस जुड़ भी नहीं रहा है!
अब मैं तुमको एक कीड़े की शक्ल में बदल दूंगा। उस रूप में तुम मुझे ज्यादा अच्छे लगोगे!
इतना घमंड अच्छा नहीं है, चंडकाल। तुम्हारी जादुई शक्तियों का मुकाबला करने के लिए धनंजय के पास और भी वैज्ञानिक शक्तियां हैं।
मैं इसका मुकाबला और ज्यादा देर तक नहीं कर सकता! आखिर ध्रुव योजना पर काम शुरू कब करेगा?

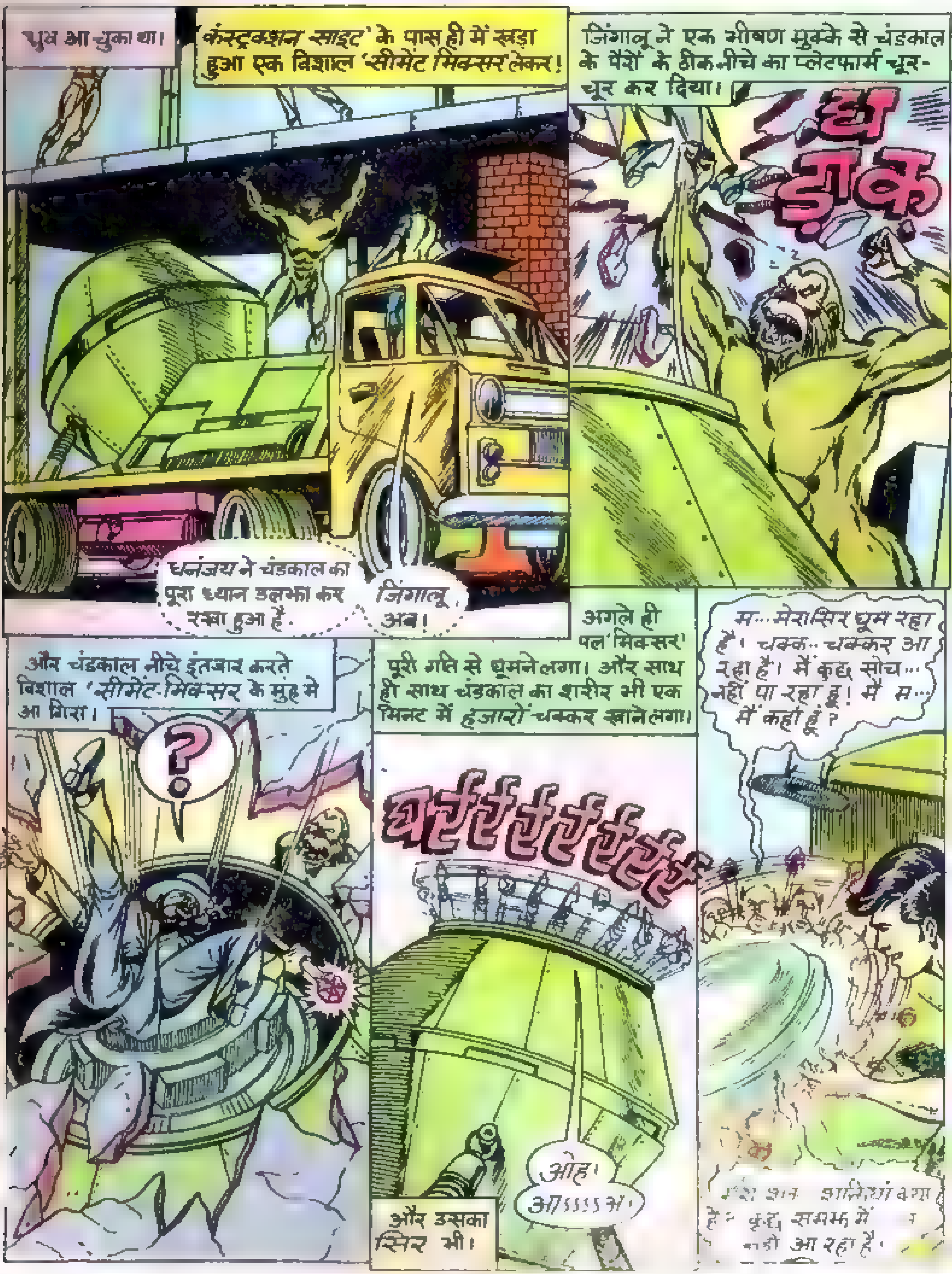
ध्रुव आ चुका था।
'कंस्ट्रक्शन साइट' के पास ही में खड़ा हुआ एक विशाल 'सीमेंट मिक्सर' लेकर!
धनंजय ने चंडकाल का पूरा ध्यान उलझा कर रखा हुआ है.
जिंगालू, अब!
जिंगालू ने एक भीषण मुक्के से चंडकाल के पैरों के ठीक नीचे का प्लेटफार्म चूर-चूर कर दिया।
धड़ाक
और चंडकाल नीचे इंतजार करते विशाल 'सीमेंट-मिक्सर' के मुंह में आ गिरा।
?
अगले ही पल 'मिक्सर' पूरी गति से घूमने लगा। और साथ ही साथ चंडकाल का शरीर भी एक मिनट में हजारों चक्कर खाने लगा।
घर्रर्रर्रर्रर्रर्रर्र
ओह! आऽऽऽऽअ!
और उसका सिर भी।
म... मेरा सिर घूम रहा है। चक्क.. चक्कर आ रहा है। मैं कुछ सोच... नहीं पा रहा हूं! मैं म... मैं कहां हूं?
कुछ समझ में
आ रहा है।

अब तुम आराम से इसका मंत्रदण्ड ले सकते हो, धनंजय! देखा?
चंडकाल कभी मना थोड़े ही करता है!
आऊक! अब तो मुझे... (वैक) उल्टियां भी आनी शुरू हो गई हैं!
वाऊक! आाह! क्या करूं? कुछ समझ में क्यों नहीं... आ रहा है? अरे... याद आया!
घर्र्र्र्र्र्र्र्र्र्र्र्र
मैं... विस्फोट तंत्र का प्रयोग करके... यहां से बाहर... निकल सकता हूं।
और-
कड़ाम्मम्म
कहां गया वह गीदड़?
और... और मेरा मंत्रदण्ड कहां है?
गीदड़ तो इस वक्त तुम लग रहे हो, चंडकाल!
त... तुम तीनों जिंदा बच गए? और मेरा मंत्रदण्ड भी तुम लोगों ने ले लिया।
पर चंडकाल के पास और भी भयानक शक्तियां हैं, मूर्खों!...

...जो तुम लोगों के चिथड़े उड़ा देने के लिए काफी हैं!
पर तुम्हारी इन 'भयानक' शक्तियों का सामना करने के लिए मेरी वैज्ञानिक शक्तियां भी काफी हैं।
कड़क
ओह! मेरा वार बेकार हो गया।
और अब तुम्हारा जबड़ा भी बेकार होने वाला है, चंडकाल!
ताड़
इस समय तुम तीनों की सम्मिलित शक्ति मुझसे ज्यादा है।
इसीलिए अभी यहां से भागना ही बेहतर है।
ओह! यह धुआं बन रहा है।
अब तो इसको पकड़ा भी नहीं जा सकता! यह हमारे हाथों से बच निकलेगा।
शांत, धनंजय, शांत!
मेरे पास इसकी भी काट है।

यह शक्तिशाली वैक्यूम-क्लीनर!
इसका स्विच 'ऑन' होते ही...
...यह धुएं रूपी चंडकाल को अंदर खींच कर...
...कैद कर लेगा!
मुझे मालूम था कि सारी तरकीबें बेकार हो जाने के बाद, चंडकाल 'धुआं' बनकर ही भागने की कोशिश करेगा!
मुझे बाहर निकालो! जब तक मैं इस डिब्बे मे कैद रहूंगा, –
...तब तक मैं अपने असली रूप में नहीं आ सकता!
निकाल लेंगे, प्यारे! इतनी जल्दी भी क्या है?
पहले 'लाल हीरे' के जरिए किरीगी की शक्तियां वापस उसके शरीर में पहुंचा दें!
फिर तुमको स्वर्ण नगरी में ले जाकर, कैदखाने में छोड़ देंगे।
और फिर –
चंडकाल से लाल हीरा वापस लाने के लिए मेरा धन्यवाद, ध्रुव!
पर तुमको चंडकाल को हराने के लिए इस योजना का ख्याल कैसे आया, ध्रुव?
इसका आइडिया मुझे तुमसे मिला, धनंजय!
जब चंडकाल का चक्रवात हमको हवा में उड़ा कर लिए जा रहा था, तो सिर घूमने के कारण तुम अपनी शक्तियां केंद्रित नहीं कर पा रहे थे!

मुद्रक: जापान आर्ट प्रैस